नई दिल्ली । बुधवार , 08 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :92 । मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप...
@ विचार तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल...
@ व्यापार पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सोने-चांदी ...

संक्षिप्त खबर

असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार थमा, 9 अप्रैल को मतदान

नई दिल्ली । देश के दो राज्यों असम, केरल और एक केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों से जुड़ा प्रचार अभियान मंगलवार की शाम समाप्त हो गया। यहां 9 अप्रैल को एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे और इसके बाद 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे।

असम की 126 सीटों, केरल की 140 सीटों और पुडुचेरी की 30 सीटों के लिए मतदान गुरुवार को एक ही चरण में होगा।

असम में कुल 2.5 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.25 करोड़ पुरुष, 1.25 करोड़ महिलाएं और 343 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 5.75 लाख युवा पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां बहुमत का आंकड़ा 64 है। राज्य की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई 2026 को समाप्त हो रहा है।

केरल विधानसभा की 140 सीटों के लिए 890 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। पेज नं -2

ईरान की पूरी सभ्यता होगी खत्म : ट्रंप की धमकी

ऐसा जवाब देंगें भूल नहीं पाओगें - ईरान

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को नेस्तनाबूद करने की धमकी दी है। मंगलवार को उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से दावा किया कि मंगलवार रात पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी।

ट्रंप ने ट्रुथ पोस्ट में लिखा कि 'आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा।

इसके साथ ही विश्वास दिलाने की कोशिश की वो इसकी ख्वाहिश नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन शायद हो जाए।

फिर दावा किया कि अब पूर्ण सत्ता परिवर्तन की गुंजाइश है। उनके मुताबिक, इस बदलाव के साथ ही सत्ता पर ज्यादा होशियार और कम रेडिकल सोच वाले लोग काबिज होंगे। ट्रंप ने उम्मीद जताई कि अगर ऐसा हुआ तो 'शायद कुछ बहुत ही शानदार हो जाए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी बातों को विराम देते हुए कहा- आज की रात दुनिया के इतिहास की एक बहुत बड़ी और खास पल साबित हो सकती है। पिछले 47 साल से चल रहे दमन, भ्रष्टाचार और हिंसा का अंत हो सकता है।

इससे पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक कॉन्फ्रेंस के दौरान होर्मुज स्ट्रेट खोलने की चेतावनी देते हुए ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और पुलों को बर्बाद-तबाह करने की बात दोहराई थी।

उन्होंने कहा कि ईरान को 'एक ही रात में खत्म किया जा सकता है।' चेतावनी दी कि अगर ईरान तय समय से पहले अमेरिका से समझौता नहीं करता, तो कार्रवाई कभी भी हो सकती है और यह मंगलवार रात भी हो सकती है।

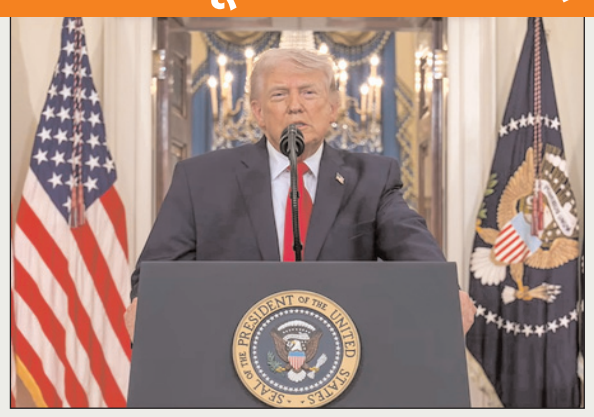

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि ईरान के नेता बातचीत तो कर रहे हैं, लेकिन अभी स्पष्ट नहीं है कि कोई समझौता होगा या नहीं। वहीं, ईरान ने भी अस्थायी युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है।

इस बीच इजरायल ने भी ईरान के रेलवे सिस्टम को उड़ाने की धमकी दी। आईडीएफ ने ईरानियों को रेल सेवा का इस्तेमाल न करने की सलाह दी।

1 करोड़ 40 लाख ईरानी, देश के लिए जान कुर्बान करने को तैयार : राष्ट्रपति पेजेश्कियन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को तबाह करने की धमकी के महज कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने बड़ा दावा किया है। ईरानी राष्ट्रपति ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि देश की रक्षा के लिए जनता खुद को कुर्बान करने के लिए तैयार है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'अब तक 14 मिलियन (1 करोड़ 40 लाख) से ज्यादा बहादुर ईरानियों ने ईरान की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान करने का ऐलान कर दिया है। मैंने भी ईरान के लिए अपनी जान कुर्बान की है, कर रहा हूं और करता रहूंगा। बता दें कि ईरान की आबादी लगभग 90 मिलियन है।

पेजेश्कियन से पहले, देश के सुप्रीम काउंसिल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट्स के सचिव (युवा और खेल मामलों के उपमंत्री) अलीरेजा रहीमी ने ऊर्जा संयंत्रों के बाहर प्रबुद्ध ईरानी जनों और युवाओं को मानव श्रृंखला बनाने की सलाह दी थी। पेज नं -2

असम पुलिस का पवन खेड़ा के घर छापा

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी ने दर्ज कराई थी एफआईआर

एजेंसी ■ नई दिल्ली

असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंच गई है। यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा सोमवार को दर्ज कराई एफआईआर के बाद की गई। पवन खेड़ा ने हिमंता बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर विदेशों में संपत्ति रखने, विदेशी पासपोर्ट रखने और वित्तीय लेन-देन में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे।

दरअसल, पवन खेड़ा ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि चुनावों के बाद हिमंता और उनकी पत्नी क्या फरार होने वाले हैं? उन्होंने आरोप लगाया था कि रिनिकी भुइयां सरमा के पास यूएई, एंटीगुआ और मिस्र के पासपोर्ट हैं और उन्होंने विदेशों में संपत्तियां छिपाई हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक अमेरिकी कंपनी के साथ वित्तीय संबंधों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की मांग भी की थी।

इसके बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन खेड़ा के आरोपों का जवाब दिया। सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने उनकी पत्नी के नाम पर फर्जी पासपोर्ट और कंपनी रिकॉर्ड प्रसारित कर एक नया निचला स्तर छू लिया है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि यह मामला आपराधिक साजिश के तहत गंभीर कानूनी परिणाम ला सकता है और अगर आवश्यक हुआ तो पवन खेड़ा को आजीवन कारावास का सामना भी करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा था कि कांग्रेस द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों में कई स्पष्ट विसंगतियां हैं और इस पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

इस पूरे मामले ने असम की राजनीतिक हलचलों को और बढ़ा दिया है।

आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तेज हो गई है। इस बीच सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद असम पुलिस दिल्ली पहुंच गई है और स्थानीय पुलिस की सहायता से पवन खेड़ा के घर छापा मार रही है।

छत्तीसगढ़ में एलपीजी के नए और सिंगल-डबल कनेक्शन लेने पर लगा प्रतिबंध

गैस वितरण में बाधा उत्पन्न करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

संवाददाता ■ रायपुर

एलपीजी गैस को लेकर भिलाई में नागरिकों के बड़े विरोध प्रदर्शन के बीच इससे जुड़े मुद्दों को लेकर रायपुर के रेडक्रॉस हॉल में अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर ने जिले के एलपीजी वितरकों की बैठक ली। इस मौके पर राठौर ने कहा कि सभी वितरक व्यवस्था बनाए रखें एवं किसी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न होने पर संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी और पुलिस को सूचना दें।अपर कलेक्टर राठौर ने कहा जिले में निवासरत विद्यार्थियों को 5 किलो का छोटा सिलेंडर गैस एजेंसी द्वारा आधार कार्ड एवं निवास प्रमाण पत्र के आधार पर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में एलपीजी सिलेण्डर का पर्याप्त स्टॉक है। नियमानुसार उपभोक्ताओं को सिलेण्डर का वितरण किया जा रहा है। यह ध्यान रखें कि वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें। साथ ही यदि कोई तत्व वितरण में बाधा पहुंचाता है ।

मंहगाई को लेकर पाकिस्तान में मचा हाहाकार, सड़क पर उतरे लोग

एजेंसी ■ कराची

पेट्रोलियम की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी और बढ़ती महंगाई के खिलाफ पाकिस्तानी अवाम सड़क पर उतर आई है. कराची, जैकबाबाद, हैदराबाद, सुक्कुर और सिंध प्रांत के अलग-अलग हिस्सों में लोगों ने प्रदर्शन किया और रैलियां निकालीं. सुक्कुर में सिंध यूनाइटेड पार्टी (एसयूपी) ने रविवार को स्थानीय प्रेस क्लब के बाहर प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के एक दैनिक अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कफन पहनकर प्रदर्शन में हिस्सा लिया और भूख हड़ताल पर बैठे। इस दौरान एसयूपी के नेता ईदन जगिरानी ने पेट्रोल कीमत में बढ़ोतरी की आलोचना करते हुए कहा कि 'महंगाई का जिन्न' बाहर आ गया है, जिससे मजदूर वर्ग के लिए जरूरी खाने का सामान खरीदना भी मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ताओं ने भी प्रेस क्लब में ही प्रदर्शन किया. पार्टी के वरिष्ठ नेता गौहर खान खोसो ने कहा कि पेट्रोल की कीमत 378 प्रति पीकेआर (पाकिस्तानी रुपए) लीटर कर दी गई है । पेज नं -2

रात में लगेगा लॉकडाउन, शहबाज शरीफ ने किया एलान

पाकिस्तान में सरकार ने फैसला किया कि देश भर के बाजार और शॉपिंग मॉल सिंध को छोड़कर ऊर्जा बचाने के उपायों के तहत रात 8 बजे तक बंद हो जाएंगे।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि यह फैसला इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई एक बैठक के दौरान लिया गया।

ईरान में भारतीयों को दूतावास की सलाह, 48 घंटे तक सुरक्षित जगह पर रहें

एजेंसी ■ तेहरान

पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी और इजरायल के हमलों के बीच ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। लोगों को अगले 48 घंटे तक बाहर जाने से बचने की सलाह दी गई है। इसमें कहा गया, 'पिछली एडवाइजरी को जारी रखते हुए, जो भारतीय नागरिक अभी भी ईरान में हैं, उन्हें अगले 48 घंटों तक वहीं रहने की सलाह दी जाती है। सभी से अपील की जाती है कि बिजली, सैन्य ठिकानों और बहुमंजिला इमारत की ऊपरी मंजिल पर जाने से बचें, घर के अंदर रहें, और हाईवे पर किसी भी मूवमेंट के लिए दूतावास से पूरी तरह से संपर्क साधें। 'इसके साथ ही एडवाइजरी में दूतावास की ओर से उपलब्ध कराए किराए के होटलों में रहने वालों को भी भीतर ही रहने की सलाह दी जाती है। पेज नं -2

असम में खड़गे के 'जहरीला सांप' वाले बयान पर भाजपा ने दर्ज कराई एफआईआर

एजेंसी ■ दिसपुर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ असम भाजपा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि खड़गे ने 6 अप्रैल को असम के श्रीभूमि जिले के नीलाबाजार में एक रैली के दौरान भड़काऊ और अपमानजनक भाषण दिया।

भाजपा असम प्रदेश इकाई के प्रवक्ता रंजीब कुमार शर्मा ने बशिष्ठ पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया है कि खड़गे ने भाजपा और आरएसएस की विचारधारा को 'जहरीला' बताया और इन दोनों को 'जहरीले सांप' की उपमा दी। साथ ही उन्होंने भाजपा को खत्म करने का आह्वान भी किया।

शिकायतकर्ता ने कहा कि खड़गे के इन बयानों से भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं। आरोप है कि ऐसे बयान समाज में नफरत फैलाने और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का काम करते हैं। इससे असम के मूल निवासियों के बीच झड़पें भी हो सकती हैं।

रंजीब कुमार शर्मा ने पुलिस को दिए आवेदन में लिखा, 'खड़गे शत्रुता बढ़ावा देने और सार्वजनिक शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसलिए उनके खिलाफ तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाए।' भाषण का सोशल मीडिया लिंक भी सबूत के रूप में एफआईआर के साथ जोड़ा गया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि खड़गे के बयान न सिर्फ भाजपा और आरएसएस को अपमानित करते हैं, बल्कि पूरे समाज में विभाजन पैदा करने वाले हैं। पार्टी ने मांग की है कि पुलिस इस मामले में जल्द से जल्द एक्शन ले। पुलिस ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। बशिष्ठ थाने के अधिकारी-प्रभारी ने बताया कि शिकायत की जांच की जा रही है और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। इस मामले पर कांग्रेस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब असम में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं।

निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन पर फोकस, कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र

एजेंसी ■ कोलकाता

कांग्रेस ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। इसमें सरकारी सहायता वितरण के बजाय राजकोषीय स्थिति में सुधार, निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन के लिए एक वैकल्पिक आर्थिक मॉडल को प्राथमिकता दी गई है।

कोलकाता में घोषणापत्र जारी करने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि पार्टी सरकारी सहायता वितरण के वादों के बजाय आर्थिक विकास को प्राथमिकता क्यों दे रही है।खड़गे ने कहा कि हम पश्चिम बंगाल के लोगों को नए विकल्प देना चाहते हैं। इसलिए हमारे घोषणापत्र में सरकारी सहायता वितरण की बात नहीं है। इसमें राज्य की अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण और सुधार की बात है।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस दोनों पर तीखे हमले किए और दोनों को एक ही श्रेणी में रखा, हालांकि आधिकारिक तौर पर तृणमूल कांग्रेस अभी भी कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि पहले, अगर कोई उद्योग की बात करता था, तो वह कोलकाता की बात करता था। अब पश्चिम बंगाल के युवा महाराष्ट्र, चेन्नई और हैदराबाद की ओर पलायन कर रहे हैं। पेज नं -2

प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति दोगुनी हुई : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि प्रवासी मजदूरों को वितरित करने के लिए प्रत्येक राज्य को उपलब्ध कराए जाने वाले 5 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडरों की दैनिक मात्रा को दोगुना कर दिया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा, '2-3 मार्च, 2026 के दौरान प्रवासी श्रमिकों को दी जाने वाली औसत दैनिक आपूर्ति के आधार पर 5 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति दोगुनी की जा रही है। ये 5 किलोग्राम के सिलेंडर राज्य सरकार के पास उपलब्ध होंगे और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों की सहायता से केवल अपने राज्य में प्रवासी श्रमिकों को ही इनकी आपूर्ति की जाएगी।'

23 मार्च से अब तक लगभग 7.8 लाख 5-किलो के फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सोमवार को देशभर में 1.06 लाख से अधिक 5-किलो के सिलेंडर बिके, जबकि फरवरी महीने में प्रतिदिन औसतन 7,7000 सिलेंडर बिके थे। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पिछले चार दिनों में 5-किलो सिलेंडरों के लिए लगभग 1,300 जागरूकता शिविर भी आयोजित किए, जिनमें 10,000 से अधिक सिलेंडर बिके।

बयान में कहा गया है कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण एलपीजी की समग्र आपूर्ति प्रभावित हो रही है, लेकिन घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और वितरकों के यहां सिलेंडरों की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

कुल एलपीजी बुकिंग में ऑनलाइन की हिस्सेदारी लगभग 96 प्रतिशत तक बढ़ गई है, जबकि डायवर्जन को रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी लगभग 90 प्रतिशत तक बढ़ गई है।

कुल व्यावसायिक एलपीजी आवंटन को संकट-पूर्व स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है, जिसमें 10 प्रतिशत फॉर्म-लिंक्ड आवंटन भी शामिल है।

14 मार्च से अब तक लगभग 86,439 मीट्रिक टन व्यावसायिक एलपीजी (45.5 लाख से अधिक 19 किलोग्राम सिलेंडरों के बराबर) बेची जा चुकी है, जबकि सोमवार को 3.4 लाख से अधिक 19 किलोग्राम सिलेंडर बेचे गए।

इंडियन ऑयल, एचपीसीएल और बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशकों की तीन सदस्यीय समिति व्यावसायिक एलपीजी वितरण की योजना बनाने के लिए राज्य अधिकारियों और उद्योग निकायों के साथ समन्वय कर रही है।

बयान में कहा गया कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देश भर में प्रवर्तन कार्रवाई जारी है, और सोमवार को देश भर में 4,300 से अधिक छापे मारे गए और 1200 से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए।

वोटर लिस्ट विवाद पर सीएम ममता बनर्जी का चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने आयोग पर आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में उसने विभिन्न धार्मिक और चैरिटी संगठनों के सदस्यों को भी नहीं बख्शा।मुख्यमंत्री ने नदिया और उत्तर 24 परगना जिलों में तीन चुनावी रैलियों को संबोधित किया। इनमें से दो रैलियों में, आयोग पर हमला बोलते हुए उन्होंने विशेष रूप से स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन, तथा मदर टेरेसा द्वारा स्थापित मिशनरीज ऑफ चैरिटी का नाम लिया।

उन्होंने कहा कि यह सुनकर उन्हें दुख हुआ कि एसआईआर के दौरान मिशनरीज ऑफ चैरिटी से जुड़े 300 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए।उन्होंने आगे कहा, 'रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के भिक्षुओं को भी नहीं बख्शा गया।

सीएम के मुताबिक, एसआईआर के दौरान आयोग ने विशेष रूप से उन जिलों को निशाना बनाया, जहां अल्पसंख्यकों और सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों की आबादी ज्यादा है। इन क्षेत्रों से ही सबसे ज्यादा नाम हटाए गए।

उन्होंने बताया कि मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना और नदिया जैसे जिलों में सबसे ज?यादा नाम हटाए गए हैं। उत्तर 24 परगना के बनगांव उप-मंडल में, मतुआ समुदाय के लोगों को निशाना बनाया गया। नदिया के चकदाहा और हरिणघाटा जैसे इलाकों और उत्तर 24 परगना के गाइघाटा में वोटर लिस्ट से नामों को बड़ी संख्या में हटाया गया था।

गुजरात एटीएस ने राजस्थान सीमा से दो लोगों को गिरफ्तार किया, 25 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त

अहमदाबाद। गुजरात एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने राजस्थान एटीएस के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया। राजस्थान से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया और लगभग पांच किलोग्राम मेथामफेटामाइन जब्त की गई।

अधिकारियों के अनुसार, गुजरात एटीएस के इंस्पेक्टर जेएम. पटेल को गुप्त सूचना मिली कि शंकरराम रामेशराम और सलमान लालखान नामक दो लोग राजस्थान की अंतरराष्ट्रीय सीमा से मेथामफेटामाइन ले जा रहे हैं। कथित तौर पर, यह नशीला पदार्थ भारत में वितरण के लिए एक पाकिस्तानी तस्कर ने सप्लाई किया था। सूचना की पुष्टि होने के बाद इसे एटीएस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा किया गया और एक संयुक्त अभियान चलाने की अनुमति दी गई। गुजरात एटीएस ने राजस्थान एटीएस से संपर्क किया। दोनों टीमों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 68 पर चेकपॉइंट और सघन गश्त स्थापित की। यह राजमार्ग राजस्थान के जैसलमेर को गुजरात के बनासकांठा से जोड़ता है।

6 अप्रैल की शाम अधिकारियों ने नियमित जांच के दौरान एक संदिग्ध ईको गाड़ी को रोका। गाड़ी में रखे पीले बैग में पांच पारदर्शी पैकेट मिले, जिनमें सफेद क्रिस्टलीय पदार्थ था। शुरुआती जांच में पुष्टि हुई कि बरामद सामग्री मेथामफेटामाइन है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 25 करोड़ रुपए है। बाड़मेर जिले के रामसर के रहने वाले दो संदिग्धों को हिरासत में लिया गया।

सदर बाड़मेर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। शुरुआती पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि इन नशीले पदार्थों की तस्करी पाकिस्तान के थारपारकर इलाके से मसत मुबारक नामक व्यक्ति ने की थी और इन्हें बाड़मेर में किसी व्यक्ति को सौंपने के लिए छोड़ दिया गया था।अधिकारियों ने आरोपियों के मोबाइल फोन से डिजिटल सबूत भी बरामद किए हैं, जिनमें वाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड और वीडियो शामिल हैं। इन सबूतों की मदद से पूरे सिंडिकेट का पता लगाने में आसानी हो सकती है। इस कार्रवाई को अंतर-राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार पर रोक लगाने की दिशा में अहम कदम बताया गया है।

'बंगाल में दंगे की साजिश,' गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी पर लगाया गंभीर आरोप

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की सरगर्मियों के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सनसनीखेज आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सीएम ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में दंगा कराने की साजिश रच रही हैं। वे जानबूझकर प्रदेश में दंगे भड़काना चाहती हैं।

नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सीएम ममता बनर्जी हताश हो गई हैं। बंगाल में कानून-व्यवस्था जैसी कोई चीज नहीं है और सुप्रीम कोर्ट ने भी यही बात कही है। अब वह यह कहकर लोगों को भड़काने की कोशिश कर रही हैं कि वहां पहलगाम जैसी कोई घटना हो जाएगी।

गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं उन्हें चेतावनी दे रहा हूं कि पहलगाम जैसी घटना दोबारा नहीं हो सकती है, लेकिन वह रोहिंग्या और घुसपैठियों के कम पर बंगाल को बांग्लादेश बनाने की कोशिश कर रही हैं, जो कभी पूरी नहीं होगी। रोहिंग्या मुसलमानों के साथ मिलकर टीएमसी की साजिश कभी सफल नहीं होगी। बंगाल की जनता ने यह तय कर लिया है कि वे न तो बंगाल को बांग्लादेश बनने देंगे और न ही रोहिंग्याओं को वहां रहने देंगे, इसीलिए ममता बनर्जी हताश हैं, लोगों को भड़का रही हैं और दंगे भड़काने की कोशिश कर रही हैं।

कई राज्यों के सीएम से लेकर डिप्टी सीएम और केंद्रीय मंत्री मंगलवार को भाजपा प्रत्याशियों के नामांकन कार्यक्रम में शामिल हुए।

वहीं, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में टीएमसी का शासन तुष्टीकरण की नीति पर आधारित रहा। इसने भ्रष्टाचार को बढ़ाया है, इसीलिए इस बार लोग बदलाव करेंगे और सुशासन एवं विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी को चुनेंगे।

भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी का दिमागी संतुलन खराब हो गया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी के लिए अब कुछ दिन ही बाकी है, चुनाव परिणाम आने के बाद यह लोग बंगाल से पलायन कर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की पार्टी पाकिस्तान की मैनेजर बन बैठी है।

भाजपा नेता अमल पांडा ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दावा करती हैं कि वह भारत में सबसे तेज गति से विकास करती हैं, लेकिन कैसा विकास हो रहा है, यह बंगाल की जनता 15 साल से देख रही है।

ग्रेटर आगरा बनेगा दूसरा नोएडा, रोजगार के खुलेंगे नए द्वार और आएंगी बड़ी कंपनियां: सीएम योगी

आगरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को ताजनगरी आगरा को ऐतिहासिक सौगात दी। आगरा इनर रिंग रोड के समीप रहनकलां में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 6466.37 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उ?होंने कहा कि ग्रेटर आगरा बनेगा दूसरा नोएडा, रोजगार के खुलेंगे नए द्वार और आएंगी बड़ी-बड़ी कंपनियां आएंगी। ब्रजभूमि को नमन करते हुए सीएम योगी ने आगरा के शहरी विस्तार को नई दिशा देने के लिए 'ग्रेटर आगरा' टाउनशिप का भूमिपूजन किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह नया शहर केवल स्मार्ट ही नहीं होगा, बल्कि पूरी तरह से सुरक्षित भी होगा। सरकार का लक्ष्य आगरा को सिर्फ एक पर्यटन स्थल तक सीमित न रखकर इसे एक आधुनिक, सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। ग्रेटर आगरा जल्द ही दूसरा नोएडा बनकर उभरेगा। यहां बड़ी-बड़ी कंपनियां आएंगी, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार की 'नए शहर प्रोत्साहन योजना' के तहत आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा इस महत्वाकांक्षी टाउनशिप का निर्माण किया जाएगा। करीब 5142 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर और रहन कलां क्षेत्र में 449.65 हेक्टेयर भूमि पर इसे विकसित किया जाएगा।

इस टाउनशिप की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके सेक्टरों का नामकरण गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी जैसी 10 पवित्र नदियों के नाम पर किया जाएगा। रेरा से इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल चुकी है। इसमें 10 हजार से अधिक परिवारों के लिए मल्टीस्टोरी फ्लैट्स, ग्रुप हाउसिंग, प्लॉट, आधुनिक सड़कें, सीवरेज, हरित क्षेत्र और अन्य नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह आस्था और आधुनिक शहरीकरण का एक अनूठा संगम होगा।

मौसम खराब होने का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने बताया कि उन्हें मथुरा- वृंदावन के रास्ते से वापस लौटना पड़ा और वह 3:30 बजे तक आगरा एयरपोर्ट पर रुके रहे। उन्हें लगा कि देरी के कारण भीड़ कम हो जाएगी, लेकिन जनता का भारी उत्साह देखकर वह अभिभूत हो गए। उन्होंने आभार जताते हुए कहा कि आगरा की जनता ने 9 विधायक, मेयर, सांसद और जिला पंचायत अध्यक्ष दिए हैं, जिसके बदले में सरकार ने शहर को आगरा मेट्रो जैसी बड़ी सुविधा दी है। इस कार्यक्रम में कुल 325 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया, जो शहर के बुनियादी ढांचे, पर्यटन, आवास और संपर्क व्यवस्था को मजबूत करेंगी।

शेष पेज - 01

ईरान की पूरी सभ्यता होगी खत्म : ट्रंप की धमकी...

इसके बाद दोपहर होते-होते कई ठिकानों पर हमला कर दिया। अर्द्ध सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी और आईआरएनए न्यूज एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। बताया कि मंगलवार को उत्तर-पश्चिम ईरान में तबरीज-जंजान हाईवे पर बने एक पुल को ही नहीं, याह्या अबाद रेलवे पुल समेत खार्ग द्वीप को निशाने पर लिया गया।

1 करोड़ 40 लाख ईरानी, देश के लिए जान कुर्बान करने को तैयार : राष्ट्रपति पेजेश्कियन...

रहीमी ने सोशल मीडिया पोस्ट में भी लिखा, 'हम सब हाथों में हाथ डालकर यह कहेंगे कि सार्वजनिक ढांचे पर हमला करना युद्ध अपराध है।

इस बीच इजरायल की ओर से ईरान पर हमले लगातार जारी हैं। आईडीएफ ने मंगलवार को लोगों को ट्रेन से सफर न करने की चेतावनी जारी की। इसमें कहा गया है कि अगले 12 घंटे तक ट्रेन का इस्तेमाल न करें और रेल की पटरियों से भी दूर रहें। 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' के अनुसार सेना का मानना है कि आतंकी गतिविधियों के लिए रेल मार्ग का उपयोग किया जाता है।

आईडीएफ ने मंगलवार को एक्स पर बयान जारी कर कहा, 'प्रिय नागरिकों, आपकी सुरक्षा के लिए हम आपसे अपील करते हैं कि अभी से लेकर रात 9 बजे (ईरान समय) तक पूरे देश में ट्रेन से यात्रा न करें। ट्रेन और रेलवे लाइनों के पास मौजूदगी आपको खतरे में डाल सकती है।

ट्रंप ने ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी समय) तक का समय दिया है, लेकिन इजरायल की चेतावनी उससे करीब 6.5 घंटे पहले खत्म हो जाएगी।

असम, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार थमा, 9 अप्रैल को मतदान...

यहां प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला त्रिकोणीय है। सरकार बनाने के लिए 71 सीटों का बहुमत आवश्यक है। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 1.32 करोड़ पुरुष, 1.39 करोड़ महिलाएं और 273 थर्ड जेंडर वोटर्स शामिल हैं।

जबकि, पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, जिनमें 5 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। सरकार बनाने के लिए 16 सीटों का बहुमत जरूरी है। यहां कुल 9.44 लाख मतदाता हैं, जिनमें लगभग 4.43 लाख पुरुष, 5 लाख महिलाएं और 139 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं।

केरल में अधिकारियों ने मंगलवार शाम से ही कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. रतन यू. केलकर ने सोमवार को घोषणा की थी कि चुनाव कानूनों के मुताबिक, 7 अप्रैल को शाम 6 बजे सभी प्रकार की सार्वजनिक प्रचार गतिविधियां पूरी तरह से बंद हो जाएंगी।

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के तहत लागू प्रतिबंध, उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और समर्थकों को मतदान समाप्त होने से पहले के अंतिम 48 घंटों के दौरान सार्वजनिक सभाओं, रैलियों या जुलूसों का आयोजन करने या उनमें भाग लेने से रोकते हैं।

इस अवधि के दौरान संगीत शो, नाट्य प्रदर्शन, या मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से किसी भी प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर भी सख्त प्रतिबंध है। अधिकारियों ने टेलीविजन, सिनेमा या इसी तरह के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए चुनाव से संबंधित सामग्री के प्रदर्शन पर भी रोक लगा दी है।

इसके अलावा, मतदान से एक दिन पहले और मतदान के दिन समाचार पत्रों में राजनीतिक विज्ञापनों के लिए मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति (एमसीएमसी) से पहले से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।

इससे पहले चुनाव आयोग ने तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक जाकर अपने अधिकारों का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जा सके।

ईरान में भारतीयों को दूतावास की सलाह...

और साइट पर मौजूद दूतावास टीम से नियमित संपर्क में बनाए रखने की अपील की जाती है।

दूतावास ने अनुरोध किया है कि आधिकारिक अपडेट्स पर करीब से नजर रखें और सहायता के लिए मोबाइल नंबर- +989128109115; +989128109102, +989128109109;+989932179359 पर संपर्क कर सकते हैं। एंबेसी के अनुसार ये नंबर चालू रहेंगे।

इससे पहले भी भारत सरकार अपने नागरिकों को सावधानी बरतने और जरूरत पड़ने पर ईरान छोड़ने की सलाह दे चुकी है।

ये एडवाइजरी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार रात (अमेरिकी समयानुसार) ईरान की पूरी सभ्यता खत्म करने की धमकी के बाद जारी की है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, 'आज रात एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी, जिसे फिर कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन शायद ऐसा ही होगा। हालांकि, अब वहां सत्ता पूरी तरह बदल चुकी है, जहां कुछ अलग, ज्यादा समझदार और कम कट्टर सोच वाले लोग मौजूद हैं। कौन जानता है कि शायद कुछ बहुत शानदार हो जाए?

ट्रंप ने दावा किया कि मंगलवार रात हम दुनिया के लंबे और जटिल इतिहास के सबसे अहम पल के गवाह बनेंगे। 47 सालों की ज्यादती, भ्रष्टाचार और मौत का सिलसिला आखिरकार खत्म हो जाएगा। ईश्वर ईरान के लोगों की रक्षा करे।

निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन पर फोकस, कांग्रेस ने जारी किया घोषणा पत्र...

पश्चिम बंगाल की स्थिति बहुत खराब है। युवा लड़के-लड़कियां डिग्री लेकर इधर-उधर भटक रहे हैं। यहां की सरकार के पास कोई योजना नहीं है। भारतीय जनता पार्टी इन बातों पर ध्यान नहीं देती। वे सिर्फ हिंदू-मुसलमानों के बीच दंगे भड़काते हैं। इसलिए हमने पश्चिम बंगाल में एक तीसरा विकल्प पेश किया है।

खड़गे ने कहा कि राज्य प्रशासन में भ्रष्टाचार के मामले सामने आए हैं। एक राज्य मंत्री के घर से लगभग 50 करोड़ रुपए बरामद हुए हैं। अब पश्चिम बंगाल को कानून के शासन की ओर ले जाने की जरूरत है।

खड़गे की बात को दोहराते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग तृणमूल कांग्रेस के भ्रष्टाचार और भारतीय जनता पार्टी की सांप्रदायिक विभाजनकारी राजनीति के बीच फंसे हुए हैं, इसलिए उन्हें एक विकल्प की आवश्यकता है।

मंहगाई को लेकर पाकिस्तान में मचा हाहाकार, सड़क पर उतरे लोग...

और चेतावनी दी कि अगर सरकार ने तुरंत राहत नहीं दी और गैर-जरूरी टैक्स खत्म नहीं किए तो प्रदर्शन और तेज किया जाएगा।

वहीं, 'अवामी तहरीक' ने सुक्कुर में तीर चौक से घंटा घर तक एक रैली निकाली, जिसके बाद धरना दिया गया. पार्टी के नेता अहमद कटियार और वकील सरवन जटोई ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह पेट्रोल की कीमत 378 पीकेआर और डीजल की कीमत 520 पीकेआर प्रति लीटर करने के लिए पश्चिम एशिया विवाद का बहाना बना रही है. पार्टी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह की आलोचना करते हुए सब्सिडी घोषणाओं को 'दिखावटी उपाय' बताया।

सीएम ने बस्तर के अगले विकास चरण की रूपरेखा पीएम को सौंपी

प्रदेश में आई शांति के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

नई दिल्ली । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर बस्तर के भविष्य की एक नई तस्वीर पेश की। इस मुलाकात में मुख्यमंत्री ने न केवल नक्सलवाद के अंत के बाद प्रदेश में आई शांति के लिए पीएम मोदी का आभार जताया, बल्कि बस्तर के समग्र विकास का एक विस्तृत और दूरदर्शी ब्लूप्रिंट भी सौंपा।

साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री को मानसून के बाद बस्तर आने का निमंत्रण दिया, जहां उनकी मौजूदगी में कई बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण प्रस्तावित है।

उन्होंने बताया कि बस्तर समेत पूरे राज्य में नक्सलवाद समाप्त हो चुका है और अब शांति स्थापित है। शिक्षा व स्वास्थ्य सुधार के तहत नए एजुकेशन सिटी, सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं, जबकि इंद्रावती नदी पर बैराज, रेल लाइन और एयरपोर्ट विस्तार से कनेक्टिविटी मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ब्लूप्रिंट के जरिए बस्तर में अब विकास, रोजगार और बेहतर सुविधाओं का नया दौर शुरू होगा।

सीएम विष्णुदेव साय ने अपने विकास दस्तावेज में उल्लेख किया कि एक दशक पहले प्रधानमंत्री द्वारा बस्तर के लिए देखा गया शांति और विकास का सपना अब जमीन पर साकार हो रहा है। नक्सलवाद खत्म होने के बाद अब लोगों में डर नहीं, बल्कि उम्मीद और विकास की नई चमक है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से बस्तर को नई दिशा और गति मिलेगी, जिससे क्षेत्र में विश्वास और उत्साह बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत विकास ब्लूप्रिंट 'सैचुरेशन, कनेक्ट, फैसिलिटेट, एम्पावर और एंगेज' रणनीति पर आधारित है। इसके तहत बस्तर में बुनियादी सुविधाओं को तेजी से विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है। सड़कों के व्यापक जाल के माध्यम से दूर-दराज के गांवों को जोड़ा जाएगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधूरे कार्यों को 2027 तक पूरा करने के साथ-साथ नई 228 सड़कों और 267 पुलों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा 61 नई परियोजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय सहायता की मांग भी की गई है।

ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी बड़े बदलाव की योजना है। हर घर तक बिजली पहुंचाने के कार्य तेज होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में 45 पोटा केबिन स्कूलों को स्थायी भवनों में बदला जाएगा। युवाओं के लिए 15 स्टेडियम और 2 मल्टीपर्पज हॉल बनाए जाएंगे, जबकि स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का विस्तार और डॉक्टरों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। कृषि और सिंचाई के क्षेत्र में इंद्रावती नदी पर दो बड़े प्रोजेक्ट देउरगांव और मटनार में स्वीकृत किए गए हैं, जिनसे 31,840 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। यह परियोजनाएं बस्तर की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

आजीविका और आय बढ़ाने के लिए सरकार ने तीन वर्षीय योजना तैयार की है, जिसका लक्ष्य 2029 तक 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15,000 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपये करना है। 'नियद नेल्ला नार 2.0' योजना के तहत अब अधिक जिलों को जोड़ा जा रहा है, जिससे विकास का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचेगा। 10 जिलों में शुरू की गई यह योजना अब 7 जिलों और 3 नए जिलों (गरियाबंद, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई) तक विस्तारित हो रही है।

राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध : वन मंत्री केदार कश्यप

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान नारायणपुर को 17 करोड़ 59 लाख 57 हजार रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जिले के विकास को नई गति प्रदान की।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नालंदा परिसर के निर्माण से जिले के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा।

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को मिलेगी 12 दिन की छुट्टी

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने और मानसिक तनाव को कम करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 07 अप्रैल 2026 को जारी आदेश के अनुसार, अब सरकारी सेवक अपने सेवाकाल के दौरान विपश्यना ध्यान के लिए विशेष छुट्टी ले सकेंगे।

मिलेगी 12 दिन की छुट्टी, पूरी सैलरी के साथ

बता दें कि राज्य शासन ने नैतिक मूल्यों के संवर्धन हेतु विपश्यना की महत्ता को देखते हुए यह फैसला लिया है। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के साथ-साथ राज्य सेवा के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को यह लाभ मिलेगा। 10 दिवसीय आवासीय विपश्यना शिविर के लिए यात्रा समय सहित अधिकतम 12 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश मिलेगा। सबसे बड़ी बात यह है कि इस छुट्टी की अवधि को 'कर्तव्य अवधि' माना जाएगा और इस दौरान पूर्ण वेतन देय होगा।

भिलाई स्टील प्लांट में लगी आग, सात मज़दूर झुलसे

भिलाई । अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को छत्तीसगढ़ के दुर्ग ज़िले में स्थित भिलाई स्टील प्लांट की एक यूनिट में आग लगने से सात मज़दूर घायल हो गए।

प्लांट के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना भिलाई शहर में स्थित प्लांट की स्ज्ञत (स्टीम टर्बो जेनरेटर)-4 टर्बाइन यूनिट में सुबह करीब 10 बजे हुई। यहाँ अचानक आग लगने से टर्बाइन हॉल में भारी धुआँ फैल गया।

सूचना मिलते ही प्लांट की दमकल टीम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि तीन दमकल गाड़ियाँ तुरंत मौके पर भेजी गईं और आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया। उन्होंने कहा, 'कम से कम सात मज़दूर घायल हुए हैं, जिनमें से कुछ को आग से चोटें आई हैं। उन्हें इलाज के लिए भिलाई शहर में स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल के डॉक्टर के अनुसार, सात मज़दूरों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। आग लगने के कारणों का पता लगाने और नुकसान का आकलन करने के लिए जाँच शुरू कर दी गई है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से की मुलाकात, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठनात्मक मजबूती, भविष्य की रणनीतियों और देश के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा संगठन निरंतर सशक्त हो रहा है और सेवा-समर्पण की भावना के साथ कार्य कर रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की तस्वीरें पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने लिखा, 'नई दिल्ली प्रवास के दौरान आज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री नितिन नवीन जी से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें पार्टी के स्थापना दिवस की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर संगठनात्मक विषयों, पार्टी की भावी रणनीतियों और देश के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट में आगे लिखा, 'आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा संगठन निरंतर सशक्त हो रहा है और सेवा-समर्पण की भावना के साथ कार्य कर रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपके मार्गदर्शन में संगठन नई ऊंचाइयों को छूते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभाता रहेगा।

इससे पहले, मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। एक्स पोस्ट में मुलाकात की जानकारी देते हुए सीएम साय ने लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान आज बस्तर की समृद्ध जनजातीय और सांस्कृतिक पहचान बेल मेटल से निर्मित 'माता कौशल्या के राम' की अद्वितीय कलाकृति भेंट की। छत्तीसगढ़ वह पावन धरा है, जहां भगवान श्रीराम का ननिहाल है। यह भूमि प्रभु श्रीराम से आत्मीय रूप से जुड़ी हुई है। प्रस्तुत कलाकृति प्रदेश की आस्था, परंपरा और सृजनशीलता का सजीव प्रतिरूप है, जो हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति और उत्कृष्ट शिल्पकौशल को दर्शाती है। उन्होंने आगे लिखा, 'यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। प्रदेश में संचालित 'श्री रामलला दर्शन योजना' के माध्यम से हजारों श्रद्धालु अयोध्या धाम के दर्शन कर रहे हैं, यह हमारी आस्था को जन-जन से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है।

छत्तीसगढ़ में 9 अप्रैल से शुरू होगा 8वां पोषण पखवाड़ा

रायपुर । छत्तीसगढ़ में कुपोषण के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत 9 से 23 अप्रैल तक 8वें पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जायेगा, मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। यह अभियान प्रदेश के हर जिले में एक जन-आंदोलन के रूप में क्रियान्वित किया जाएगा।

भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित मिशन पोषण 2.0 के तहत इस पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य जन-भागीदारी को बढ़ाना और देश को कुपोषण मुक्त बनाने के संकल्प को सिद्ध करना है।

इस वर्ष के अभियान की मुख्य थीम जीवन के प्रारंभिक छह वर्षों में बच्चों के मस्तिष्क विकास को अधिकतम करने पर आधारित है। विशेषज्ञों का मानना है कि यही समय बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है, इसलिए उचित पोषण और देखभाल को इस बार केंद्र में रखा गया है। यह अभियान वर्ष 2018 से निरंतर संचालित हो रहा है ताकि सामाजिक स्तर पर खान-पान के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। तैयारियों के सिलसिले में 7 अप्रैल को रायपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक डॉ रेणुका श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक डी. एस. मरावी, उपसंचालक श्रुति नेलकर और अभय देवांगन समेत कई विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान पंचायत, ग्रामीण विकास, स्कूल शिक्षा, कृषि और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न विभागों को समन्वय के साथ कार्ययोजना बनाकर सक्रिय योगदान देने के निर्देश दिए गए ताकि अभियान का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंच सके।

अनन्त विभूषित महामण्डलेश्वर 1008 मॉ योग योगेश्वरी यती का भव्य रायपुर आगमन आज

रायपुर। बुधवार को अनन्त विभूषित महामण्डलेश्वर 1008 मॉ योग योगेश्वरी यती पंच दशनाम जूना अखाड़ा के छत्तीसगढ़ की पावनधरा पर प्रथम आगमन होने जा रहा है। इस अवसर पर समस्त सनातन प्रेमी रायपुर एवं विभिन्न संगठनों द्वारा स्वामी विवेकानंद विमानन तल में प्रात: 11:00 बजे रूपनारायण सिन्हा , अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ योग आयोग केबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त, विशेषर पटेल अध्यक्ष गौसेवा आयोग छ.ग. एवं राजीव लोचन श्रीवास्तव, ओम प्रकाश देवांगन की उपस्थिति में भव्य स्वागत किया जाएगा।

स्वागत पश्चात छत्तीसगढ़ योग आयोग एवं छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित भारतीय दर्शन में योग एवं गौमाता विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम में मॉ योग योगेश्वरी यती मुख्य अतिथि के रूप में कार्यालय भवन छत्तीसगढ गौ सेवा आयोग रायपुर छ.ग. में दोपहर 02:00 से 04:00 बजे तक सम्मिलित होगें। उक्त कार्यक्रम में विशेषर पटेल अध्यक्ष गौसेवा आयोग की अध्यक्षता एवं रूपनारायण सिन्हा , अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ योग आयोग विशिष्ट अतिथि तथा ओम प्रकाश देवांगन विशेष अतिथि एवं कार्यक्रम संयोजक राजीव लोचन श्रीवास्तव के उपस्थिति में संपन्न किया जावेगा।कार्यक्रम पश्चात माँ योग योगेश्वरी यती राम मंदिर रायपुर में दर्शन, पूजा आरती एवं भजन कार्यक्रम में सम्मिलित होने के तत्पश्चात सायं 06:00 बजे रूपनारायण सिन्हा के निज निवास में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर रात्रि विश्राम हेतु प्रस्थान करेंगी। आगामी दिवस माँ योग योगेश्वरी यती बिलासपुर के कार्यक्रम में सम्मिलित होगें।

छत्तीसगढ़ में डीएसपी की बेटी को गैंगरेप की धमकी,पांच आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की कंटेंट क्रिएटर निवेदिता मंडावी को सोशल मीडिया पर गैंगरेप और अपहरण की धमकी दी गई। इंस्टाग्राम के एक कथित नशा मुक्ति ग्रुप में लड़के निवेदिता की फोटो शेयर कर उससे गैंगरेप की बात कर रहे थे। इस साजिश की चैट निवेदिता तक पहुंची, जिससे मामला सामने आया। निवेदिता के पिता पुलिस विभाग में डीएसपी के पद पर हैं।

सोशल मीडिया इस घटना की चर्चा जोरों पर है। लोग निवेदिता के समर्थन में वीडियो बना रहे हैं। लड़कों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। केशकाल थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई । वही मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

निवेदिता मंडावी ने खुद वीडियो जारी कर घटना की जानकारी दी थी।

जानकारी के मुताबिक, इंस्टाग्राम ग्रुप को नशा मुक्ति के नाम पर संचालित किया जा रहा था। 2 महीने पहले लीक हुए चैट्स में सामने आया कि इस ग्रुप में शामिल कुछ लड़के निवेदिता के खिलाफ आपत्तिजनक, अश्लील और आपराधिक साजिश रच रहे थे।

कांग्रेस ने किया नेशनल हाईवे जाम, पुलिया निर्माण और बैंक शाखा खोलने की मांग

धरना के बाद कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद। देवभोग में बहुप्रतीक्षित बेलाट नाला पर पुलिया निर्माण और झाखरपारा में सहकारी बैंक शाखा खोलने की मांग को लेकर मंगलवार को कांग्रेस ने नेशनल हाइवे जाम कर दिया. विधायक जनक ध्रुव और जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया गया. लगभग एक घंटे तक नेशनल हाइवे पर जाम और धरना के बाद कांग्रेसियों ने ज्ञापन सौंपा वहीं निर्माण कार्य जल्द शुरू नहीं होने पर उग्र आंदोलन को चेतावनी दी गई. विधायक ने दो टूक कहा कि ये अभी ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है। विधायक का आरोप है कि पिछली सरकार ने इन परियोजनाओं के लिए 429 लाख की मंजूरी दी थी, लेकिन अफसरों ने समय पर टेंडर कॉल नहीं किया. प्रदर्शन में शामिल हुए नेताओं का आरोप है कि पुराने एसोआर दर पर ही टेंडर कॉल किए जा रहा है. उन्होंने मांग की है कि प्राक्कलन अपग्रेड कर कोल कर निर्माण कार्य को पूर्ण कराया जाए बता दें कि देवभोग मुख्यालय को 36 गांव से जोड़ने वाले बेलाट नाले में पुल के अभाव में बरसात की दिनों में अक्सर हादसे की स्थिति बन रही है. आवागमन प्रभावित होता रहता है, जिसे लेकर क्षेत्रवासियों में आक्रोश बढ़ रहा है।

कैंसर शोध में एम्स रायपुर मिला गोल्ड मेडल और सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार

रायपुर । पुणे में आयोजित 17वें इंडिया सोसाइटी ऑफ न्यूरो-ऑन्कोलॉजी कॉन्फ्रेंस (ISNO-CON) में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने चिकित्सा शोध के क्षेत्र में स्वर्ण पदक और सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त की है। मंगलवार को जानकारी दी गयी की रूबी हॉल क्लीनिक द्वारा 3 से 5 अप्रैल 2026 तक आयोजित इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में एम्स रायपुर के रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग को उनके नवाचारी शोध के लिए स्वर्ण पदक और सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से नवाजा गया है। संस्थान को यह सम्मान एडोलसेंट एंड यंग एडल्ट न्यूरो-ऑन्कोलॉजी श्रेणी में प्रदान किया गया है जो विशेष रूप से किशोरों और युवाओं में कैंसर उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विजेता शोध पत्र का शीर्षक 'Navigating the Neura&is: Comprehensive Review of Craniospinal Irradiation (CSI) with VMAT' था जिसे विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पापुजी मेहर द्वारा प्रस्तुत किया गया। यह शोध रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ नंदा के मार्गदर्शन और डॉ. मुकेश कुमार के सह-लेखन में तैयार किया गया है।

रूस के खिलाफ तीन फ्रेंडली मैच खेलेगी भारत की अंडर-17 फुटबॉल महिला टीम

नई दिल्ली। भारत की अंडर-17 फुटबॉल महिला टीम 11, 14 और 17 अप्रैल को रूसी शहर सोची में रूस के खिलाफ तीन फ्रेंडली मैच खेलेगी। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इन मुकाबलों के लिए 23 खिलाड़ियों की टीम चुनी है। ये तीनों मैच सोची के मात्सेस्ता फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2026 की तैयारी कर रही भारतीय टीम सोमवार देर रात सोची पहुंची। पिछले महीने वे मेजबान टीम के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलने के लिए यांगून गई थीं। भारतीय टीम ने दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज की थी। वहां से लौटने के बाद कोच पामेला कोंटी की टीम ने बेंगलुरु में अपना ट्रेनिंग कैंप जारी रखा था। टीम ने दो अंतरराष्ट्रीय फ्रेंडली मुकाबलों में से पहले मैच में म्यांमार पर 2-0 से शानदार जीत हासिल की थी। ??

प्रितिका बर्मन ने दोनों गोल करके अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने हाफ-टाइम से ठीक पहले और फिर दूसरे हाफ की शुरुआत में गोल किया।

भारत ने एक संयमित और संतुलित प्रदर्शन किया था, जिसमें अभिस्ता बसनेत और एलिजाबेथ लाकरा की अगुवाई में मजबूत डिफेंस भी देखने को मिला था, जबकि गोलकीपर मुन्नी ने कोई गोल न होने दिया था। सूजौ शहर में होने वाले एशियाई कप में भारत ग्रुप बी में 2 मई को ऑस्ट्रेलिया, 5 मई को जापान और 8 मई को लेबनान का सामना करेगा। रूस के खिलाफ फ्रेंडली मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-17 महिला टीम

गोलकीपर- मुन्नी, शेल्ना मारिया साजित, तंफासाना देवी कोनजेंगबम।

डिफेंडर- एलेना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लाकरा, जोयशिनी चानू हुइड्रोम, रितु बडाइक, तानिया देवी तोनामबम।

मिडफील्डर- अभिस्ता बासनेट, अल्वा देवी सेनजाम, बोनिफिलिया शुल्लई, जुलान नोंगमैथेम, प्रितिका बर्मन, रेडिमा देवी चिंगखामायुम, थंडामोनी बास्की।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के 8 मुक्केबाजों ने बनाई फाइनल में जगह

उलानबटार। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत ने अपना शानदार अभियान जारी रखा है। भारत के कुल आठ मुक्केबाज (छह महिलाएं और दो पुरुष) फाइनल में पहुंच गए हैं। मंगलवार को महिलाओं के सेमीफाइनल में मीनाक्षी और जैस्मिन ने मोर्चा संभाला, जबकि विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने पुरुषों की श्रेणी में दमदार प्रदर्शन करते हुए इस संख्या में और इजाफा किया।

अलग-अलग कैटेगरी में आठ फाइनलिस्ट के साथ, भारत इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के आखिरी दिन में मजबूत लय के साथ उतर रहा है। भारतीय मुक्केबाजों वाले अन्य अहम फाइनल मुकाबलों में, प्रीति (54 किलोग्राम) का सामना चीनी ताइपे की हुआंग शियाओ-वेन से होगा, जबकि प्रिया (60 किलोग्राम) का मुकाबला उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वोन से होगा। अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) अपने गोल्ड मेडल मुकाबले में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश से भिड़ेंगी।

महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में मीनाक्षी ने थाईलैंड की थिप्सत्चा योदवारी पर 4:1 से जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित की। दूसरी ओर, जैस्मिन ने महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान की निगीना उक्तामोवा को एक कड़े मुकाबले में 3:2 से मात दी।

पुरुषों में 50 किलोग्राम वर्ग में विश्वनाथ सुरेश ने शानदार प्रदर्शन किया और जॉर्डन के हुथैफा एशिश को सर्वसम्मत 5:0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सचिन (60 किलोग्राम) ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले में थाईलैंड के सकदा रुआमथम पर 4:1 से ठोस जीत दर्ज करते हुए सभी को प्रभावित किया।

अन्य परिणामों में, आकाश उज्बेकिस्तान के जावोखिर अब्दुरखिमोव के खिलाफ 1:4 से हार गए।

लोकेश को उज्बेकिस्तान के जसुर्बेक युल्डोशेव के खिलाफ 0:5 से शिकस्त झेलनी पड़ी। नरेंद्र को चीन के बायिकेवुजी दानाबिएके के हाथों 1:4 से हार का सामना करना पड़ा। हर्ष चौधरी ताजिकिस्तान के परविज करीमोव के विरुद्ध 1:4 से हार गए।

भारत अब इन दमदार प्रदर्शनों को गोल्ड मेडल में बदलने की उम्मीद करेगा।

महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में, मीनाक्षी का मुकाबला मंगोलिया की नोमुंडारी एनख-अमगालन से होगा। वहीं, जैस्मिन 57 किलोग्राम वर्ग के खिताबी मुकाबले में थाईलैंड की पुनरावी रुएनरोस से भिड़ने के लिए तैयार हैं।

आरसीबी में वापसी मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट रही: देवदत्त पडिक्कल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर देवदत्त पडिक्कल ने माना है कि आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) में वापसी उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने कहा कि आरसीबी में आने के बाद उन्हें यह बात समझ आई कि वह किस तरह का क्रिकेट खेलना चाहते हैं।

आईपीएल 2025 में आरसीबी की ओर से खेलते हुए देवदत्त पडिक्कल ने 10 मुकाबलों में 150 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। पडिक्कल ने इस दौरान दो अर्धशतक लगाए थे और टीम को चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया था। वहीं, आईपीएल के मौजूदा सीजन में पडिक्कल 2 मुकाबलों में 201 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 111 रन बना चुके हैं। उन्होंने आईपीएल 2026 में खेले दोनों ही मुकाबलों में अर्धशतक लगाया है।

आरसीबी द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर शेयर किए गए वीडियो में पडिक्कल ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह ऑक्शन शायद कई मायनों में मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट था। मैं अपने करियर के उस दौर में था, जहां मुझे सच में यह तय करने की जरूरत थी कि मैं किस तरह का क्रिकेट खेलना चाहता हूं और मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं।

आरसीबी में वापसी ने मेरे लिए उस तरह का क्रिकेट खेलने का रास्ता साफ कर दिया, जैसा मैं खेलना चाहता था। जब मुझे आरसीबी के साथ मौका मिला, तो उसी दिन मैंने तय कर लिया था कि मुझे बहुत सी चीजें करनी हैं और मुझे उन चीजों पर काम करने के लिए सच में पूरी तरह से समर्पित होना होगा, चाहे नतीजा कुछ भी हो।

पडिक्कल ने आरसीबी के साथ अपने डेब्यू आईपीएल सीजन में ही अपनी छाप छोड़ी थी। आईपीएल 2020 में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 473 रन बनाए थे और वह 'इमर्जिंग प्लेयर' का अवॉर्ड जीतने में सफल रहे थे।

'जैसा वह चाहते थे, वैसा तालमेल बैठाना मुमकिन नहीं था', अलोंसो से अनबन पर बोले विनीसियस

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने माना कि पूर्व कोच जाबी अलोंसो के साथ उनके रिश्ते मुश्किल भरे थे। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि मौजूदा कोच अल्वारो अर्बेलोआ के साथ उनके रिश्ते कहीं ज्यादा बेहतर हैं।

रियल मैड्रिड के चैंपियंस लीग क्वार्टर फाइनल के पहले लेग में अपने घरेलू मैदान पर बायर्न म्यूनिख के खिलाफ मैच से पहले प्रेस से बात करते हुए विनीसियस से अलोंसो के साथ उनके रिश्तों के बारे में पूछा गया। अलोंसो को जनवरी में पद संभालने के महज सात महीने से कुछ ज्यादा समय बाद ही बर्खास्त कर दिया गया था।

अक्टूबर में रियल मैड्रिड और एफसी बार्सिलोना के बीच इस सीजन की पहली भिड़ंत के दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट किए जाने के बाद अपने गुस्से भरे रिएक्शन से इस फॉरवर्ड ने विवाद खड़ा कर दिया था। उन्होंने माना कि हर कोच का अपना एक तरीका होता है, लेकिन वह 'उनके (अलोंसो के) चाहे अनुसार उनके साथ तालमेल नहीं बैठा पाए। उन्होंने कहा, 'वह एक मुश्किल दौर था क्योंकि मैंने बहुत सारे मैच खेले, लेकिन मुझे खेलने का ज्यादा समय नहीं मिला। कोच का अपना एक तरीका होता है। हर कोच का अपना एक अंदाज होता है और मुझे लगता है कि जैसा वह चाहते थे और जैसा टीम चाहती थी।

चार मुकाबलों की सीरीज खेलने अर्जेंटीना जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मुकाबलों की सीरीज में हिस्सा लेने के लिए अर्जेंटीना के दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स के सेनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज को विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से अहम बताया जा रहा है।

माना जा रहा है कि भारत-अर्जेंटीना के बीच होने वाली यह सीरीज काफी रोमांचक हो सकती है। सीरीज का पहला मुकाबला 13, दूसरा मैच 14, तीसरा मैच 16 और अंतिम मुकाबला 17 अप्रैल को खेला जाना है। यह दौरा बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 और एशियाई खेलों से पहले भारत की तैयारियों के लिहाज से काफी अहम समझा जा रहा है।

हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली है और दोनों टीमों के बीच कई शानदार मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग

2024-25 में शूटआउट से तय हुआ 2-2 का रोमांचक ड्रॉ भी शामिल है। यह आगामी दौरा बेहतरीन अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मैच प्रैक्टिस का अहम मौका देगा, जो हॉकी इंडिया के रणनीतिक कैलेंडर के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। अर्जेंटीना के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करके भारतीय टीम विश्व कप से पहले शानदार लय प्राप्त करना चाहेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम को अलग-अलग कॉम्बिनेशन और रणनीतियों को आजमाने का मौका भी मिलेगा।

इस दौरे के बारे में बात करते हुए भारतीय मुख्य कोच सजोर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों की टीम के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक बहुत ही सोच-समझकर लिया गया फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को सबसे ऊंचे स्तर पर प्रदर्शन करने का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें यह समझने में काफी मदद करेगा कि हर खिलाड़ी किस स्थिति में है।

हम यह देखना चाहते हैं कि जब सबसे ज्यादा जरूरत पड़ेगी तब कौन सी खिलाड़ी आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेती है। इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको सबसे पहले यह साबित करना होगा कि आप एक टीम प्लेयर हैं। व्यक्तिगत काबिलियत ??जरूरी है, लेकिन अगर आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते और एक-दूसरे के लिए मिलकर काम नहीं करते, तो इस टीम में जगह बनाना बहुत मुश्किल होगा।

अलाना किंग फिर बनीं दुनिया की नंबर एक वनडे गेंदबाज, अमेलिया केर का भी जलवा

दुबई। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की स्पिन गेंदबाज अलाना किंग वनडे में एक बार फिर दुनिया की नंबर एक गेंदबाज बन गई हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन का इनाम अलाना को आईसीसी की जारी ताजा वनडे रैंकिंग में मिला है।

अलाना किंग ने मार्च में नंबर एक गेंदबाज की पोजीशन को हासिल किया था। हालांकि, कुछ हफ्तों बाद ही सोफी एक्लेस्टोन ने उनकी बादशाहत को खत्म कर दिया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के तीसरे वनडे मुकाबले में अलाना ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर के स्पेल में सिर्फ 19 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे। इस स्पेल में अलाना ने 44 गेंदें डॉट फेंकी थीं और टीम को 9 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

अलाना ने वनडे की ऑलराउंडर रैंकिंग में भी अपनी स्थिति को मजबूत किया है। वह सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं और उन्होंने साइवर-ब्रंट को एक पायदान नीचे धकेल दिया है। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फायदा न्यूजीलैंड की खिलाड़ियों को भी मिला है।

अभय सिंह को एल गौना स्क्वैश ओपन के दूसरे दौर में मिली हार

एल गौना (मिस्र)। भारत के अभय सिंह को पीएसए प्लैटिनम स्तर के टूर्नामेंट एल गौना ओपन के दूसरे दौर में मिस्र के यूसुफ इब्राहिम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इब्राहिम ने एक बार फिर अपने बाएं कंधे की चोट से जूझते हुए अभय को पांच गेम में 3-2 (68 मिनट में 7-11, 11-9, 9-11, 11-5, 11-8) से हराया।

इससे पहले, अभय ने पहले दिन पुरुषों के शुरुआती राउंड में मिस्र के वर्ल्ड नंबर 13 अली अबू एलेनिन को 9-11, 11-8, 3-11, 11-4, 11-8 से हराया था। वहीं, खेल के तीसरे दिन वर्ल्ड नंबर 4 करीम गवाद ने अपने हमवतन मिस्र के यूसुफ सोलिमन के साथ 109 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। यह 2013 के

बाद से पीसीए स्क्वैश टूर पर गवाद का सबसे लंबा मैच था। 34 साल के गवाद ने अपना संयम बनाए रखा और 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वर्ल्ड नंबर 12 को 5-11, 14-12, 8-11, 11-8, 11-9 के स्कोर से हरा दिया।

इस बीच, विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी पॉल कोल ने मलेशिया के नंबर एक खिलाड़ी ईन यो एनजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 11-7, 11-2, 11-8 से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका अगला मुकाबला यूसुफ इब्राहिम से होगा।

विश्व रैंकिंग में नंबर 8 पर मौजूद मोहम्मद जकारिया ने जोएल मैकिन के साथ अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली हार का बदला लेते हुए नंबर 5 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज की। 18 साल के वर्ल्ड जूनियर चैंपियन ने ब्रिटिश नेशनल चैंपियन मैकिन को 11-6, 11-5, 11-5 से हराया।

महिलाओं के वर्ग में वर्ल्ड नंबर 2 नूर एलशेरबिनी शानदार फॉर्म में दिखीं।

उन्होंने मेलिसा अल्वेस को हराकर आसानी से क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

आईपीएल 2026: एक नहीं, केकेआर के सामने नजर आ रहीं कई मुश्किलें, बिगड़ सकता है पूरा गणित

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की शुरुआत आईपीएल 2026 में निराशाजनक हुई है। तीन मुकाबलों के बाद भी केकेआर को इस सीजन की अपनी पहली जीत की तलाश है। तीन बार की चैंपियन केकेआर के सामने कई परेशानियां नजर आ रही हैं, जिसका हल अगर समय रहते नहीं खोजा गया, तो टीम को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

सलामी जोड़ी की समस्या: केकेआर के लिए इस सीजन पारी का आगाज फिन एलन और अजिंक्य रहाणे करते हुए नजर आए हैं। एलन ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं, लेकिन रहाणे की फॉर्म चिंता का विषय है। कुछ दमदार शॉट्स लगाने के बाद रहाणे पावरप्ले में काफी धीमे पड़ जा रहे हैं। वहीं, एलन शुरुआत तो धमाकेदार अंदाज में कर रहे हैं,

लेकिन अब तक वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं।

कैमरून ग्रीन की खराब फॉर्म: केकेआर ने ऑक्शन में कैमरून ग्रीन के लिए 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए थे। हालांकि, ग्रीन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा बताई गई उनकी पीठ की इंजरी और वर्कलोड मैनेजमेंट के नाम पर शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही बल्लेबाजी में भी नंबर तीन पर खेलते हुए कोई खास कमाल नहीं दिखा पा रहे हैं। 3 मुकाबलों के बाद ग्रीन के बल्ले से सिर्फ 24 रन निकले हैं।

मिडिल ऑर्डर: केकेआर का मिडिल ऑर्डर भी आईपीएल 2026 में खोखला नजर आ रहा है। अंगकृष रघुवंशी ने जरूर नंबर 4 पर खेलते हुए अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है, लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों का कोई खास साथ नहीं मिल सका है। आमतौर पर केकेआर के लिए फिनिशर की भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह को इस सीजन नंबर पांच पर उतारा जा रहा है।

रिंकू ने 2 पारियों में 68 रन तो बनाए हैं, लेकिन उनका विस्फोटक अंदाज देखने को नहीं मिला है। रमनदीप सिंह,अनुकूल रॉय और सुनील नरेन से केकेआर हर मुकाबले में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकती है।

संपादकीय

पराधीनता के विरुद्ध मंगल पांडेय का क्रांतिकारी उद्घोष

महेन्द्र तिवारी

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर जब भी स्वाभिमान और बलिदान की बात होती है, तो मंगल पांडेय का नाम सबसे अग्रिम पंक्ति में उभरकर आता है। वे उस प्रचंड ज्वाला के प्रथम उद्घोष थे, जिसने दो शताब्दियों से चली आ रही दासता की बेड़ियों को पिघलाने का कार्य प्रारंभ किया था। मंगल पांडेय केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे, जिसने सोए हुए राष्ट्र को उसकी अपनी शक्ति और अस्मिता का बोध कराया। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद के नगवा गाँव में एक प्रतिष्ठित ब्राह्मण परिवार में हुआ था। धार्मिक संस्कारों और मर्यादाओं के बीच पले-बढ़े मंगल के भीतर राष्ट्रवाद की भावना कूट-कूट कर भरी थी, किंतु परिस्थितियों के वश उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में प्रवेश किया। वे बंगाल की चौंतीसवीं वाहिनी के पैदल सैनिक के रूप में भर्ती हुए। प्रारंभ में उन्होंने अपनी सेवाएँ पूरी निष्ठा के साथ अर्पित कीं, किंतु जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें यह आभास होने लगा कि विदेशी शासकों का उद्देश्य केवल शासन करना नहीं, बल्कि भारतीयों की धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ों पर प्रहार करना भी है। उन्नीसवीं शताब्दी का वह कालखंड भारतीय समाज के लिए अत्यंत संवेदनशील था। आंग्ल शासक अपनी सत्ता के मद में चूर होकर भारतीय जनमानस की भावनाओं की निरंतर अनदेखी कर रहे थे। इसी बीच सेना में एक नई बंदूक का आगमन हुआ, जिसे भरने की प्रक्रिया ने विद्रोह की आधारशिला रख दी। उस समय यह समाचार तीव्र गति से फैला कि बंदूक के नए कारतूसों को चिकना बनाने के लिए गाय और सुअर की चर्बी का मिश्रण प्रयोग किया गया है। हिंदू धर्म में गाय को माता माना जाता है और वह परम पूज्य है, जबकि इस्लाम में सुअर को वर्जित माना गया है। ऐसे में यह केवल एक सैन्य परिवर्तन नहीं था, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से सैनिकों के धर्म को भ्रष्ट करने का एक सोची-समझी षड्यंत्र प्रतीत होता था। मंगल पांडेय जैसे धर्मनिष्ठ सैनिक के लिए यह असहनीय था। उन्होंने इसे अपनी आस्था और पूर्वजों की मर्यादा पर एक भीषण प्रहार माना। सैनिकों के भीतर असंतोष की अग्नि सुलग रही थी, किंतु मंगल पांडेय ने उस अग्नि को मार्ग दिखाने का निर्णय लिया। मार्च के अंतिम दिनों में बैरकपुर की छावनी में वातावरण अत्यंत तनावपूर्ण हो गया था। 26 मार्च 1857 का वह दिन भारत के भाग्य को बदलने वाला सिद्ध हुआ। मंगल पांडेय ने अपनी वर्दी पहनी, अपनी बंदूक उठाई और परेड के मैदान में पहुँच गए। उनका मुख मंडल क्रोध और संकल्प से दीप्तिमान था। उन्होंने अपने साथियों का आह्वान किया और चिल्लाकर कहा कि 'फिरंगियों' के सामने झुकना बंद करो। उन्होंने अपने सहकर्मियों से अपनी धर्म-रक्षा के लिए शस्त्र उठाने को कहा। जब उनके वरिष्ठ अधिकारी मेजर ह्यूसन ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो मंगल की बंदूक से निकली पहली गोली ने उस अधिकारी को धूल चटा दी। यह केवल एक गोली नहीं थी, बल्कि यह विदेशी साम्राज्य के अंत की घोषणा थी। इसके पश्चात लेफ्टिनेंट बॉघ भी उन्हें पकड़ने के लिए आगे बढ़े, किंतु मंगल के साहस के सामने वे भी टिक न सके। मंगल पांडेय ने अदम्य वीरता का परिचय देते हुए अकेले ही ब्रिटिश अधिकारियों का सामना किया। छावनी के अन्य सैनिक इस दृश्य को देख रहे थे, किंतु उनमें से अधिकांश ने अपने ही साथी के विरुद्ध शस्त्र उठाने से इनकार कर दिया। यह इस बात का प्रमाण था कि मंगल की आवाज़ ने उनके भीतर सोए हुए राष्ट्रवाद को जगा दिया था। जब अंग्रेजी सेना के घेरे ने मंगल को चारों ओर से घेर लिया और उन्हें लगा कि वे अब शत्रुओं के चंगुल में फँस जाएंगे, तो उन्होंने आत्मसमर्पण करने के स्थान पर स्वयं के प्राणों की आहुति देने का निर्णय लिया। उन्होंने अपनी ही बंदूक से अपनी छाती पर गोली चला दी, ताकि वे जीवित रहते हुए अंग्रेजों के दास न बन सकें। यद्यपि वे इस प्रयास में केवल घायल हुए और उन्हें उपचार के बाद बंदी बना लिया गया, किंतु उनका यह कृत्य भारतीय इतिहास की एक युगांतकारी घटना बन गया। अस्पताल में रहने के दौरान और उसके बाद के परीक्षणों के समय भी मंगल पांडेय अडिग रहे। उनसे उन लोगों के नाम पूछे गए जो इस विद्रोह में उनके साथ थे, किंतु उन्होंने किसी भी साथी का नाम उजागर नहीं किया और सारा उत्तरदायित्व स्वयं पर ले लिया।

उन पर त्वरित सैन्य न्यायालय में अभियोग चलाया गया और उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। फांसी की तिथि 18 अप्रैल नियत की गई थी, किंतु ब्रिटिश शासन उनके प्रभाव से इतना भयभीत था कि उन्हें डर था कि कहीं पूरी सेना विद्रोह न कर दे। इसी आशंका और भय के कारण, निर्धारित तिथि से 10 दिन पूर्व ही 8 अप्रैल 1857 को मंगल पांडेय को बैरकपुर में फांसी दे दी गई। यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है कि बैरकपुर के जल्लादों ने मंगल पांडेय को फांसी देने से मना कर दिया था, जिसके कारण बाहर से जल्लाद बुलाए गए। फांसी के फंदे को चूमते समय उनके मुख पर कोई ग्लानि नहीं थी, बल्कि एक असीम शांति थी कि उन्होंने अपने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।मंगल पांडेय के बलिदान ने संपूर्ण भारत में एक ऐसी लहर पैदा की, जिसकी कल्पना आंग्ल शासकों ने कभी नहीं की थी। कुछ ही हफ्तों के भीतर, मेरठ, दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और झांसी जैसे क्षेत्रों में विद्रोह की ज्वाला फैल गई। 1857 का महान विप्लव, जिसे भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा जाता है।

तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल: पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

योगेश कुमार गोयल

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार: क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा?

ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पेट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्र विदेश नीति का संकट

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार और सरकारी डैमेज कंट्रोल

युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया है। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

विकल्प नहीं, अनिवार्यता है वैकल्पिक ऊर्जा

वैश्विक ऊर्जा संकट और बढ़ती आयात निर्भरता के इस दौर में वैकल्पिक ऊर्जा अब केवल एक विकल्प नहीं बल्कि राष्ट्रीय अनिवार्यता बन चुकी है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है और भारत को इस दिशा में निर्णायक कदम उठाने होंगे। प्रधानमंत्री की मुफ्त बिजली योजनाएं और रूफटॉप सोलर मिशन केवल नीतिगत पहल नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सशक्त आधारस्तंभ हैं। भारत में 33 करोड़ एलपीजी उपभोक्ता हैं, जो बड़े पैमाने पर आयातित ईंधन पर निर्भर हैं। यदि रसोई को इंडक्शन कुकिंग और एथनॉल आधारित विकल्पों की ओर मोड़ा जाए तो न केवल खर्च कम होगा बल्कि ऊर्जा आयात का बोझ भी घटेगा।

ढाका की खतरनाक दिशा: रोहिंग्या समस्या के समाधान के लिए गंभीर कूटनीति की आवश्यकता

डॉ. दिपन्निता मारिया बाग

विदेश नीति की एक खास तरह की विफलता होती है, जो धीरे-धीरे टलते फैसलों, कूटनीतिक चुप्पी और इस नौकरशाही सोच में जमा होती रहती है कि असुविधाजनक वास्तविकता अंतत: अपने आप अनुकूल हो जाएगी। बांग्लादेश इस समय उसी स्थिति में फंसा हुआ है, और इसकी कीमत उसे 271 किलोमीटर लंबी उस सीमा पर चुकानी पड़ रही है, जिस पर म्यांमार की सरकार (नैपीडॉ) का नियंत्रण नहीं है।

यूनाइटेड लीग ऑफ अराकान (ULA) ने बांग्लादेश से अनुमति नहीं मांगी कि वह उसकी सीमा पर एक उभरते हुए राज्य की तरह काम करना शुरू करे; उसने बस ऐसा करना शुरू कर दिया। वह क्षेत्र पर नियंत्रण रखता है, कर वसूलता है, अदालतें चलाता है, और फरवरी 2026 तक एक पड़ोसी देश की सीमा सुरक्षा बलों के साथ कैदियों का आदान-प्रदान भी करता है। जब बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (BGB) अराकान आर्मी (AA) — जो LA का सशस्त्र अंग है — के साथ हिरासत में लिए गए मछुआरों की रिहाई के लिए बातचीत करता है, तब 'मान्यता न देने' का कानूनी

दिखावा व्यवहारिक रूप से अर्थहीन हो जाता है।

गलत पक्षों से बातचीत

यहां बांग्लादेश वास्तव में क्या कर रहा है? ढाका एक गैर-मान्यता प्राप्त गैर-राज्यीय संगठन के साथ व्यावहारिक कूटनीति कर रहा है, क्योंकि उसके पास कोई व्यवहारिक विकल्प नहीं है। लेकिन बंगाल की खाड़ी के उत्तरी क्षेत्र की अस्थिर भौगोलिक स्थिति को देखते हुए, यह रणनीति नैपीडॉ के साथ वास्तविक तनाव पैदा कर सकती है।

ULA/AA द्वारा रखाइन पर नियंत्रण स्थापित करना, भले ही सैन्य दृष्टि से प्रभावशाली हो, लेकिन राजनीतिक रूप से जटिल है। 'ऑपरेशन 1027' ने म्यांमार की सेना (तत्मदाव) की सीमा पर पकड़ को अपेक्षा से कहीं तेज़ी से खत्म कर दिया। लेकिन उसकी जगह कोई प्रशासनिक शून्य नहीं आया, बल्कि एक रखाइन राष्ट्रवादी परियोजना उभरी, जिसमें अपनी जातीय श्रेणियां, ऐतिहासिक शिकायतें और यह स्पष्ट दृष्टिकोण शामिल है कि उस क्षेत्र में कौन रहने का अधिकार रखता है।

जिस संगठन के साथ बांग्लादेश चुपचाप बातचीत कर रहा है, उस पर हाल ही में रोहिंग्या गांवों को जलाने के आरोप लगे हैं, जिनकी पुष्टि कई मानवाधिकार संगठनों ने की है। इस प्रकार, ढाका वस्तुत: उसी प्रशासन से बातचीत कर रहा है, जिसने उस संकट को और गहरा किया, जिसे हल करने की कुंजी भी उसी के पास है। इस कूटनीतिक स्थिति की जटिलता असाधारण है, लेकिन विदेश मंत्रालय में कोई भी इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने को तैयार नहीं दिखता।

सुलगता हुआ रोहिंग्या मुद्दा

2017 में रोहिंग्याओं के बड़े पैमाने पर पलायन के आठ साल बाद, कॉक्स बाजार ऐसे तरीके से अस्थिर हो रहा है, जो सतह से कहीं अधिक गहरे हैं। नशीले पदार्थों की तस्करी, कट्टरपंथ की बढ़ती प्रवृत्ति, और अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (ARSA) की लगातार मौजूदगी — ये सभी उसी अनियंत्रित क्षेत्र से जुड़े हैं।

मार्च 2025 में बांग्लादेश की धरती पर ARSA के नेता की गिरफ्तारी इस बात का शर्मनाक उदाहरण थी कि एक घोषित खतरे को इतने लंबे समय तक देश के भीतर काम करने दिया गया।

बोध कथा

आत्मचिंतनः- आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया।

साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की - 'भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे।' साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला - 'अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला।' साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया। आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा - 'हे भगवान् ! ये तूने क्या किया? आनंद पुन: हँस पड़ा और बोला - 'महाराज आप क्यों दु:खी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान् इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला। साधू मन ही मन सोचने लगा - 'मैं तो केवल भेष से साधू हूँ। सच्चा साधू तो तू ही है, आनंद।' कुछ वर्ष बाद साधू फिर यात्रा पर निकला और आनंद से मिला तो देखकर हैरान रह गया कि आनंद तो अब जमींदारों का जमींदार बन गया है। मालूम हुआ कि जिस जमींदार के यहाँ आनंद नौकरी करता था वह सन्तान विहीन था, मरते समय अपनी सारी जायदाद आनंद को दे गया। साधू ने आनंद से कहा - 'अच्छा हुआ, वो जमाना गुजर गया। भगवान् करे अब तू ऐसा ही बना रहे।' यह सुनकर आनंद फिर हँस पड़ा और कहने लगा - 'महाराज! अभी भी आपकी नादानी बनी हुई है।

व्यंग्य केसरी

आप्पो परमाणु भव

एकता शर्मा

रोजा छोड़ने गए,नमाज गले में पड़ गई ।

आज इसे कौन याद कर रहा होगा!

वैलेंटाइन चिरौल आज अगर जिंदा होता तब उसे पता चलता!

क्रांति का अग्रदूत और विश्व अशांति का वास्तविक अग्रदूत किसे कहा जाता है?

एक किताब विश्व अनरेस्ट भी लिखनी चाहिए !

नोबल मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा!

उसके कानों में यह उद्घोष अभी भी सुनाई दे रहा है।

जी राजा कोई गलती नहीं करता!

नो किंग के नारे बाहरी कानों को क्यों सुनाई नहीं देते?

महावीर जयंती चली गई।

खुद जियो औरों को भी जीने दो

और जब खुद ना जीओ तो दूसरों को भी ना जीने दो

खुद ही खुद जियो और दूसरों क ना जीने दो!

समझ रहे हैं युद्ध क्यों होते हैं?

अब आप्पो दीपों भव

का समय आ गया!

नहीं नहीं,आप्पो अणु से परमाणु भव का समय आ गया।

अंतरमन के विचारों को संवर्धित किया या नहीं लेकिन यूरेनियम के आइसोटोप को हमने संवर्धित कर दिया!

जी हां, हमें हॉब्स के विचारों से सहमत होना होगा।

हम आज भी जंगली है।

जंगल जहां नहीं बचते ताकतवर, राजा महाराजा,अति बुद्धिजीवी!

बचता है वही जिसने ढाल लिया स्वयं को जंगल के नियम से!

मोड़ ली अपनी रीढ़ डार्विन के सिद्धांत से!

वक्त आएगा जब वह प्रोफेसर रीड के सिद्धांत पर भी उतर जाएगा लेकिन उसमें थोड़ा वक्त लग जाएगा!

जब भूकंप से टूटी हुई चट्टानें भी एक समय के बाद खिंचाव से पुन: जुड़ जाएंगी!

ऐसी फ्लैक्सिबिलिटी तो दिखानी ही होगी !

संघर्ष, सवाल जब सर्वाइवल का हो!

देखो जंगल की आग दहकते पलाश

का वक्त चला गया! अब पीस लिली खिलने का समय आ गया!

समझौता कर लो दो कदम पीछे खिसकना होगा!

क्या ईरान इसे समझेगा?

अगर नहीं तो कोई न्यूक्लियर बम उस पर बरसायेगा!

लेकिन क्या उसकी रेडिएशन से खुद बच पाएगा ?

देखो इसराइल को मिल गई अमेरिका मित्र कैडमियम छड़ें !

जिसने किया उसकी रासायनिक क्रिया को नियंत्रित

लेकिन ईरान को कौन नियंत्रित करेगा?

कौन काउंसिल , समझौता करेगा?

अंत में अगर उस अणु पर न्यूट्रॉनों की बौछार की जाएगी तो परमाणु विखंडन के बाद संलयन की क्रिया भी उभर कर अंतरराष्ट्रीय राजनीति के अंतरिक्ष पर छाएगी।

इस ऊर्जा को राजा कैसे नियंत्रित करेंगा?

यूरेनियम जिसके मस्तिष्क के हर न्यूरॉन्स में भरा होगा!

इतिहास

7 अप्रैल को इतिहास में मुख्य रूप से स्वास्थ्य और संगीत के क्षेत्र की बड़ी घटनाएं दर्ज हैं। 1948 में इसी दिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की स्थापना हुई, इसलिए आज विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। साथ ही, 1920 में आज ही के दिन प्रसिद्ध सितार वादक पंडित रविशंकर का जन्म हुआ था।

7 अप्रैल की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ:

1920: महान सितार वादक और संगीतज्ञ पंडित रविशंकर का बनारस में जन्म। 1948: संयुक्त राष्ट्र संघ की विशेष एजेंसी के रूप में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की स्थापना। 1994: रवांडा में नरसंहार की शुरुआत। 2026 (आज का परिप्रेक्ष्य): आर्टेमिस-2 मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों का चांद के पास पहुंचने का लक्ष्य। विश्व स्वास्थ्य दिवस (World Health Day): स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट, बाजार में अस्थिरता का दौर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को लेकर हाल ही में दिए गए आक्रामक बयानों और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच मंगलवार के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर 5 जून कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना पिछले बंद भाव 1,49,981 रुपए के मुकाबले 222 रुपए गिरकर 1,49,759 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, तो वहीं 5 मई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी अपने पिछले बंद भाव 2,33,379 के मुकाबले 1,379 रुपए गिरकर 2,32,000 प्रति किलोग्राम पर खुली।

वहीं, खबर लिखे जाने तक (दोपहर करीब 12.13 बजे) एमसीएक्स पर सोना (5 जून वायदा) 175 रुपए यानी 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,49,806 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में एक समय यह 1,50,474 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जबकि 1,49,201 रुपए दिन का निम्नतम स्तर रहा।

इसी तरह, चांदी (5 मई वायदा) खबर लिखे जाने तक 813 रुपए यानी 0.35 प्रतिशत गिरकर 2,32,566 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही थी। इंट्रा-डे ट्रेडिंग में चांदी ने 2,35,547 रुपए का उच्चतम स्तर और 2,31,503 रुपए का निम्नतम स्तर छुआ।

विश्लेषकों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद सोने-चांदी में मजबूत 'सेफ-हेवन (सुरक्षित निवेश)' की मांग नहीं दिख रही है।

तेज गिरावट आ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुएं लगभग स्थिर रहीं। कॉमेक्स गोल्ड 3.36 डॉलर या 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,681.34 डॉलर पर था, जबकि कॉमेक्स सिल्वर 0.09 डॉलर या 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.94 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। स्पॉट मार्केट में सोना 3 डॉलर या 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,653 डॉलर पर था, जबकि स्पॉट सिल्वर 0.02 डॉलर या 0.04 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 72.78 डॉलर पर रहा।

कीमती धातुओं में यह उतार-चढ़ाव उस समय देखने को मिला, जब निवेशक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को होर्मुज स्ट्रेट को खोलने के लिए दी गई समयसीमा पर नजर बनाए हुए हैं।

एमसीएक्स पर चांदी फिलहाल 2,31,000 से 2,33,000 रुपए के दायरे में उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रही है, जहां 2,33,000 से 2,34,000 रुपए के स्तर पर रेजिस्टेंस है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने कहा है कि वह अमेरिका और इजरायल के साथ तनाव को स्थायी रूप से खत्म करना चाहता है, लेकिन स्ट्रेट खोलने के दबाव को स्वीकार नहीं किया है। वहीं ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर समयसीमा तक समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है।

विश्लेषकों का कहना है कि अगर यह स्तर टूटता है तो कीमतें और ऊपर जा सकती हैं, जबकि 2,30,000 रुपए के नीचे गिरने पर

भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 509 अंक उछला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 509.73 अंक या 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,616.58 और निफ्टी 155.40 अंक या 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,123.65 पर था।

बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.5 प्रतिशत की तेजी के साथ सूचकांकों में टॉप गेनर था। इसके अलावा निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी डिफेंस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी प्राइवट बैंक बढ़त के साथ बंद हुए। केवल निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी पीएसयू बैंक लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टीसीएस, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एचयूएल, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस टॉप गेनर्स थे। इंडिगो, एमएंडएम, टाइटन, ट्रेंट, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी और इटरनल लूजर्स थे।

लार्जकैप के अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 107.90 अंक या 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 54,600.55 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 9.75 की कमजोरी के साथ 15,843.30 पर था।

एसबीआई सिक्योरिटीज के फंडामेंटल रिसर्च हेड सन्नी अग्रवाल ने कहा कि मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में करीब 500 अंकों की बढ़त दर्ज की गई और निफ्टी 50 ने दिनभर की भारी गिरावट से उबरते हुए 23,100 के ऊपर बंद होने का रिकॉर्ड बनाया।

अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण बाजार कमजोर खुले, लेकिन विप्रो, इंफोसिस और टीसीएस के नेतृत्व में आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी और धातु एवं रियल एस्टेट शेयरों के सपोर्ट से बाजार में रिकवरी देखने को मिली।

वैश्विक अस्थिरता और महंगाई बढ़ने के जोखिम के चलते रेपो रेट को स्थिर रख सकता है आरबीआई : फिक्की अध्यक्ष

नई दिल्ली। फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक अस्थिरता और महंगाई बढ़ाने के जोखिम के चलते आरबीआई इस बार रेपो रेट को स्थिर रख सकता है।

एक कार्यक्रम के साइडलाइन में आईएएनएस से ??बातचीत में उन्होंने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक संकट ने भारतीय उद्योग पर लॉजिस्टिक्स, लागत में वृद्धि, मांग में गिरावट और दीर्घकालिक अनिश्चितता के रूप में कई प्रतिकूल प्रभाव डाले हैं।

गोयनका ने कहा, 'वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों के कारण व्यावसायिक गतिविधियां बाधित हो रही हैं, जिससे उद्योग बढ़ती अनिश्चितता से जूझ रहा है।

उन्होंने कहा कि संघर्ष की बदलती प्रकृति के कारण परिणामों का अनुमान लगाना या आगे की योजना बनाना मुश्किल हो रहा है, जिससे कंपनियों को प्रतिदिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। गोयनका ने आईएएनएस को बताया, 'संकट ने व्यापार के कई पहलुओं को प्रभावित किया है, जिनमें रसद में व्यवधान, इनपुट लागत में वृद्धि और मांग में कमी शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा कि दीर्घकालिक अनिश्चितता निवेश निर्णयों और समग्र व्यावसायिक भावना पर भी असर डाल रही है।

कंपनियों के लिए एक प्रमुख चिंता व्यापार की निरंतरता बनाए रखना है। उन्होंने कहा, 'कंपनियां आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद कारखानों के संचालन को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

उन्होंने आईएएनएस को बताया, 'पैकेजिंग सामग्री की अनुपलब्धता जैसी छोटी-मोटी कमी भी उत्पादन रोक सकती है और आपूर्ति में देरी कर सकती है, जिससे उद्योगों में व्यापक प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने विशेष रूप से बढ़ती मुद्रास्फीति और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से उत्पन्न होने वाले द्वितीय और तृतीय स्तर के प्रभावों के बारे में भी चेतावनी दी, जो समय के साथ मांग को और कम कर सकते हैं।

इसके जवाब में, उद्योग संगठन सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और व्यवसायों को ऊर्जा संरक्षण और लचीलापन योजना जैसे उपाय अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

नीतिगत सुधारों पर, गोयनका ने प्रस्तावित जन विश्वास विधेयक 2026 का स्वागत करते हुए इसे व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अनुपालन संबंधी मामूली मुद्दों को अपराध की श्रेणी में रखने से रोकता है, जिससे छोटे और बड़े दोनों उद्यमों को लाभ होगा।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन ने पुणे प्लांट में 'टाइगुन' का उत्पादन शुरू किया, 'मेक इन इंडिया' को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने मंगलवार को पुणे स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में अपडेटेड फॉक्सवैगन टाइगुन का उत्पादन शुरू करने का ऐलान किया, इससे कंपनी की 'मेक इन इंडिया, फॉर इंडिया एंड द विश्व रणनीति को मजबूती मिली है।

कंपनी के अनुसार, अपडेटेड टाइगुन में नया डिजाइन और बेहतर प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं, साथ ही इसे भारतीय ड्राइविंग परिस्थितियों के अनुरूप बनाया गया है। यह यूरोपीय ड्राइविंग डायनामिक्स, आराम और सुरक्षा मानकों पर केंद्रित है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ पीयूष अरोरा ने कहा, 'नई फॉक्सवैगन टाइगुन का उत्पादन शुरू होना भारत में हमारे मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम की परिपक्वता को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि कंपनी की भारत स्थित इकाइयां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी वाहनों का उच्च स्तरीय स्थानीयकरण करने के लिए तैयार हैं, जिससे यह घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों की जरूरतों को कुशलतापूर्वक पूरा कर सके।

फॉक्सवैगन इंडिया के ब्रांड निदेशक नितिन कोहली ने कहा कि ताइगुन लॉन्च के बाद से ही कंपनी की एसयूवी रणनीति का केंद्र रही है और कंपनी के पोर्टफोलियो को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि चाकन प्लांट में उत्पादन भारतीय उपभोक्ताओं के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

2021 में लॉन्च हुई ताइगुन ने प्रदर्शन, आराम और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

इसके अलावा, ऑटो कंपनी के अनुसार, भारत में अब तक 1.43 लाख से अधिक यूनिट्स का उत्पादन हो चुका है, जिनमें से लगभग 30 प्रतिशत का निर्यात वैश्विक बाजारों में किया गया है।

पुणे स्थित यह कंपनी ऑडी, पोर्श, लैम्बोर्गिनी और बेंटले सहित फॉक्सवैगन समूह के छह ब्रांडों का भारत में संचालन करती है।

फॉक्सवैगन ने 25 वर्ष पूर्व भारत में परिचालन शुरू किया था और वर्तमान में चाकन और छत्रपति संभाजीनगर में दो विनिर्माण संयंत्र संचालित करती है, जिनकी संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 3.15 लाख यूनिट्स है। वर्तमान में, कंपनी के लगभग 700 ग्राहक संपर्क केंद्र हैं और लगभग 5,000 कर्मचारी कार्यरत हैं।

भारत का मछली उत्पादन रिकॉर्ड 106 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 197.75 लाख टन हुआ

नई दिल्ली । भारत का मत्स्य पालन क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में तेजी से उभरकर देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन गया है। केंद्रीय बजट 2026-27 में इस सेक्टर के लिए 2,761.80 करोड़ रुपए की अब तक की सबसे बड़ी वार्षिक बजटीय सहायता प्रस्तावित की गई है, जो इसकी बढ़ती अहमियत को दर्शाती है। इसमें से 2,500 करोड़ रुपए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत आवंटित किए गए हैं, जो इस क्षेत्र के विकास का मुख्य आधार बनी हुई है।

एक आधिकारिक बयान में सरकार ने बताया कि भारत आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश बन चुका है और वैश्विक उत्पादन में उसका लगभग 8 प्रतिशत योगदान है। वित्त वर्ष 2013-14 में जहां मछली उत्पादन 95.79 लाख टन था, वहीं 2024-25 में यह बढ़कर 197.75 लाख टन तक पहुंच गया है। यानी इस अवधि में 106 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है।

साथ ही, बयान में कहा गया है कि समुद्री खाद्य निर्यात भी तेजी से बढ़ा है और वित्त वर्ष 2024-25 में यह 62,408 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

जमे हुए झींगे (फ्रोजन श्रिम्प) भारत के प्रमुख निर्यात उत्पाद बने हुए हैं, जबकि अमेरिका और चीन इसके बड़े बाजार हैं।

सरकार के मुताबिक, मत्स्य पालन क्षेत्र खासकर तटीय और ग्रामीण इलाकों में रोजगार, आय और खाद्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्रोत बन चुका है। कृषि सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में इसकी हिस्सेदारी करीब 7.43 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सबसे ज्यादा है।

सरकारी योजनाओं के जरिए अब तक 4.39 लाख मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) का लाभ मिला है, 33 लाख से अधिक लोगों को बीमा कवरेज मिला है और करीब 7.44 लाख मछुआरा परिवारों को आजीविका सहायता दी गई है।

एयर इंडिया ने की सीईओ कैंपबेल विल्सन के इस्तीफे की पुष्टि

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया में बड़ा बदलाव सामने आया है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वे तब तक अपने पद पर बने रहेंगे जब तक नए सीईओ की नियुक्ति नहीं हो जाती।

कंपनी ने बताया कि विल्सन ने वर्ष 2024 में ही एन. चंद्रशेखरन को 2026 में पद छोड़ने की अपनी योजना के बारे में बता दिया था। इसके बाद से वे संगठन और नेतृत्व टीम को मजबूत और स्थिर बनाने पर काम कर रहे थे ताकि नेतृत्व परिवर्तन सुचारू रूप से हो सके।

कैंपबेल विल्सन ने अपने कार्यकाल को याद करते हुए कहा कि एयर इंडिया के निजीकरण के बाद पिछले चार वर्षों में कंपनी में कई बड़े बदलाव हुए हैं। इस दौरान चार एयरलाइनों का अधिग्रहण और सफल विलय किया गया, साथ ही पब्लिक सेक्टर से प्राइवेट सेक्टर की कार्यशैली की ओर बदलाव हुआ।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में नेतृत्व टीम, वर्कफोर्स, कार्य संस्कृति और ऑपरेशन सिस्टम में व्यापक सुधार किया गया। एयरलाइन ने अपने सिस्टम का आधुनिकीकरण किया, नए उत्पाद लॉन्च किए और जमीन से लेकर उड़ान तक सेवाओं के स्तर को बेहतर बनाया।

विल्सन ने आगे कहा कि कंपनी ने अपने बेड़े में 100 नए विमान शामिल किए हैं और पुराने विमानों के इंटीरियर को भी लगभग पूरी तरह अपग्रेड कर लिया गया है। इसके अलावा, नए डिजाइन वाले वाइडबॉडी विमानों की डिलीवरी भी शुरू हो चुकी है।

उन्होंने यह भी बताया कि एयर इंडिया ने दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी ट्रेनिंग अकादमी, फ्लाइट सिम्युलेटर सुविधाएं, फ्लाइंग स्कूल और मेंटेनेंस, रिपेयर व ओवरहाल (एमआरओ) बेस जैसे महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की है।

क्विक कॉमर्स का बढ़ता असर: अब कीमत नहीं, सुविधा बन रही खरीदारी की पहली पसंद

नई दिल्ली। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक, 70 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ताओं ने कहा कि अगर छूट कम भी हो जाए, तब भी वे क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल जारी रखेंगे। इससे साफ है कि अब लोग कीमत से ज्यादा तेजी और सुविधा को प्राथमिकता दे रहे हैं।

ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में रोजमर्रा की किराना खरीदारी के लिए मोहल्ले की दुकानें (किराना स्टोर) अभी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और भरोसे पर आधारित लेन-देन के लिए लोगों की पहली पसंद बनी हुई हैं। हालांकि, पिछले एक साल में 51 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने बताया कि उनका किराना दुकानों पर निर्भरता कम हुई है।

करीब 45 प्रतिशत लोग क्विक कॉमर्स का इस्तेमाल आखिरी समय या जरूरी सामान खरीदने के लिए करते हैं, जबकि 24 प्रतिशत लोग दूध और ब्रेड जैसे रोजमर्रा के सामान के लिए इसका उपयोग करते हैं। वहीं, 19 प्रतिशत लोग स्नैक्स और पेय पदार्थ जैसी अचानक खरीदारी (इम्पल्स बाइंग) के लिए इन प्लेटफॉर्म्स का सहारा लेते हैं।

दूसरी ओर, 13 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे अब पहले से ज्यादा किराना दुकानों पर निर्भर हैं, जबकि 27 प्रतिशत लोगों की खरीदारी की आदतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, किराना दुकानदारों को भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे कम मुनाफा (मार्जिन), कम समय का उधार (क्रेडिट साइकिल) और ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाएं, खासकर प्रोडक्ट की उपलब्धता और विविधता को लेकर।

हालांकि, कई किराना दुकानदार अब डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं।

यह रिपोर्ट देश भर में 1,600 से ज्यादा उपभोक्ताओं और 1,000 से अधिक किराना दुकानदारों के सर्वे पर आधारित है। करीब 40 प्रतिशत किराना दुकानदारों ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ साझेदारी में रुचि दिखाई, जबकि 32 प्रतिशत ने कहा कि वे रुचि तो रखते हैं, लेकिन उन्हें यह समझ नहीं है कि यह साझेदारी कैसे काम करेगी।

इसके अलावा, 20 प्रतिशत दुकानदारों ने कहा कि अगर उन्हें तकनीकी और संचालन से जुड़ी मदद मिले, तो वे इसमें शामिल होने के लिए तैयार हैं। इससे साफ है कि भविष्य में किराना दुकानों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने की बड़ी संभावनाएं हैं।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि अब ज्यादातर किराना दुकानों पर डिजिटल पेमेंट आम हो चुका है और यूपीआई व क्यूआर कोड के जरिए भुगतान व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है।

पपीता की तासीर होती है गर्म फिर भी गर्मियों में एक्सपर्ट खाने की क्यों देते हैं सलाह?

पपीता एक ऐसा फल है जिसका सेवन लोग हर मौसम में करते हैं। हालांकि इस फल की तासीर गर्म मानी जाती है। लेकिन एक्सपर्ट इसे गर्मियों में भी खाने की सलाह देते हैं। पीएसआरआई हॉस्पिटल में हेड ऑफ डायटीशियन शालिनी ब्लिस बता रही हैं कि आखिर गर्मियों में भी पपीता क्यों खा सकते हैं?

गर्मियों में क्यों खाना चाहिए पपीता?

पपीता की तासीर को आमतौर पर गर्म माना जाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इसे गर्मियों में नहीं खाना चाहिए। दरअसल, आयुर्वेद में तासीर के साथ-साथ फल के पोषण और शरीर पर उसके कुल प्रभाव को भी देखा जाता है। पपीता हल्का, आसानी से पचने वाला और शरीर को अंदर से साफ रखने वाला फल है, इसलिए गर्मी के मौसम में भी इसे खाने की सलाह दी जाती है।

पाचन से जुड़ी समस्याएं होती हैं दूर

गर्मियों में अक्सर पाचन से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, कब्ज और भारीपन बढ़ जाते हैं। पपीते में मौजूद एंजाइम पपेन (Papain) पाचन को बेहतर बनाता है और भोजन को जल्दी तोड़ने में मदद करता है। इससे पेट हल्का रहता है और शरीर को जरूरी पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं, जो गर्मी में बहुत जरूरी होते हैं।पानी और विटामिन से भरपूर

इसके अलावा, पपीते में पानी की अच्छी मात्रा, विटामिन और फाइबर होता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने और इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है। गर्मियों में जब शरीर जल्दी थक जाता है और डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है, तब पपीता एक अच्छा विकल्प बन जाता है।

कब बरतनी चाहिए सावधानी?

हालांकि, इसका सेवन सीमित मात्रा में करना जरूरी है। ज्यादा पपीता खाने से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है, खासकर उन लोगों में जिनकी बॉडी पहले से ही गर्म तासीर की होती है। इसलिए दिन में एक कटोरी पका हुआ पपीता खाना पर्याप्त माना जाता है।

सही मात्रा और समय पर खाया जाए तो पपीता गर्मियों में भी फायदेमंद होता है। यह पाचन सुधारता है, शरीर को पोषण देता है और गर्मी के मौसम में भी आपको हल्का और ऊर्जावान बनाए रखता है।

भाजपा 47 वर्ष की: 2 संसदीय सीटों से पूर्ण राजनीतिक वर्चस्व और 'दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी' बनने तक

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को अपना 47वां स्थापना दिवस मनाया, जो उसके लिए हाशिये से अभूतपूर्व प्रभुत्व तक की यात्रा का प्रतीक है।

इन 47 वर्षों में भाजपा ने एक परिवर्तनकारी सफर तय किया है–शुरुआत में मात्र दो संसदीय सीटों से लेकर दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन बनने तक।

यह 47वां पड़ाव लगभग पाँच दशकों के राजनीतिक विकास को दर्शाता है, जिसमें वैचारिक संघर्ष के दौर से निकलकर राष्ट्रीय शासन में प्रभुत्व की स्थिति तक पहुंचने की कहानी शामिल है। आज भाजपा अपनी यात्रा को 'संघर्ष से सेवा' तक का परिवर्तन मानती है और 2047 तक भारत को एक पूर्ण विकसित राष्ट्र–'विकसित भारत'–बनाने का लक्ष्य रखती है।

आइए, इसकी 47 वर्षों की यात्रा पर नजर डालते हैं:

विचारधारा और जनसंघ (1951-1977)

भाजपा की विरासत केवल 1980 में इसके औपचारिक गठन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी वैचारिक जड़ें 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित भारतीय जनसंघ (BJS) तक जाती हैं।

जनसंघ दो प्रमुख स्तंभों–सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और एकात्म मानववाद–पर आधारित था, जिसमें एकात्म मानववाद की अवधारणा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने दी थी। ये विचारधाराएं आज भी पार्टी की पहचान का केंद्र हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा को 'जीवंत वैचारिक परंपरा' बताया है, जो मुखर्जी, उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के लोकतांत्रिक आदर्शों से प्रभावित है।

इस यात्रा का पहला बड़ा बदलाव आपातकाल (1975-77) के दौरान आया, जब जनसंघ ने कांग्रेस को हराने के लिए जनता पार्टी में विलय कर लिया। हालांकि यह 'जनता प्रयोग' ज्यादा समय तक नहीं चला।

'दोहरे सदस्यता' के मुद्दे पर आंतरिक मतभेद सामने आए, विशेष रूप से पूर्व जनसंघ सदस्यों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) से संबंधों को लेकर। जब जनता पार्टी ने सदस्यों से पार्टी और ऋस्स में से एक चुनने को कहा, तो पूर्व जनसंघ गुट अलग हो गया, जिससे 6 अप्रैल 1980 को अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा का औपचारिक गठन हुआ।

'कमंडल' राजनीति का उदय (1980-1996)

भाजपा के शुरुआती वर्ष चुनावी चुनौतियों से भरे रहे। 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए चुनाव में पार्टी लोकसभा में केवल दो सीटों तक सिमट गई।

यह झटका एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने पार्टी को अपनी वैचारिक रणनीति को और मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। 1980 के दशक के अंत में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में पार्टी ने खुले तौर पर 'हिंदुत्व' को अपनाया।

1990 की सोमनाथ से अयोध्या रथ यात्रा ने बड़े पैमाने पर जनसमर्थन जुटाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे भाजपा की संसदीय उपस्थिति 1989 में 2 सीटों से बढ़कर 85 और 1991 में 120 हो गई। 1996 तक यह पहली बार सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, हालांकि वाजपेयी की पहली सरकार केवल 13 दिनों तक ही चल पाई।

वाजपेयी युग (1998-2004)

1990 के दशक के अंत में भाजपा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के माध्यम से सफल गठबंधन राजनीति की शुरुआत की।

इस दौर की प्रमुख उपलब्धियों में पोखरण-II परमाणु परीक्षण, कारगिल युद्ध में विजय और राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान शामिल है, खासकर 'गोल्डन क्वाड्रिलेटरल' परियोजना।

हालांकि 'इंडिया शाइनिंग' अभियान के बावजूद 2004 में पार्टी सत्ता से बाहर हो गई और अगले एक दशक तक विपक्ष में रही–जिसे अक्सर अगले बड़े बदलाव से पहले संघर्ष के दौर के रूप में देखा जाता है।

'मोदी लहर' (2014 से वर्तमान)

2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव आया। भाजपा 30 वर्षों में पहली बार अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल करने वाली पार्टी बनी, जिसमें उसे 282 सीटें मिलीं। 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 303 हो गया। 2024 तक पार्टी ने 18वीं लोकसभा में भी अपना प्रभुत्व बनाए रखा।

इस दौर में पार्टी के लंबे समय से किए गए वादों को पूरा किया गया, जिसमें अनुच्छेद 370 को हटाना, वस्तु एवं सेवा कर (GST) लागू करना और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पार्टी की यह प्रगति उसके कार्यकर्ताओं के समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने 47वें स्थापना दिवस पर कहा, 'हमारी पार्टी हमेशा 'इंडिया फर्स्ट' के सिद्धांत पर चलते हुए समाज की सेवा में अग्रणी रही है।'

भाजपा की मूल विचारधाराएं क्या हैं?

भाजपा के वर्तमान शासन मॉडल के केंद्र में 'अंत्योदय' की अवधारणा है–अर्थात पंक्ति में सबसे अंतिम व्यक्ति का उत्थान।

अपने संदेश में योगी आदित्यनाथ ने पार्टी की यात्रा को 'अंत्योदय से राष्ट्रोदय' तक की यात्रा बताया। वर्तमान नेतृत्व 'नेशन फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट' के मंत्र को भी दोहराता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्पों को कार्यों के माध्यम से सिद्ध किया है–चाहे वह सीमाओं की सुरक्षा हो या भारतीय संस्कृति की ऐतिहासिक आत्मा को पुनर्जीवित करना। उन्होंने उन लोगों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने भाजपा को एक 'विशाल वटवृक्ष' बनाने में अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

'विजन 2047': संघर्ष से सेवा तक

भविष्य की ओर देखते हुए भाजपा का लक्ष्य 'विकसित भारत 2047' है–यानी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना।

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इस संकल्प को पूरा करने के लिए देशभर के लोगों को जोड़ें और 'पंचायत से संसद तक भगवा फहराएं'। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा न केवल दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है, बल्कि भारतीय राजनीति के शिखर पर भी मजबूती से स्थापित हुई है। उन्होंने कहा कि पार्टी समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उसे देश की जनता का पूरा विश्वास और समर्थन प्राप्त है।

औद्योगिक कार्डियक अरेस्ट का खतरा? ईरान युद्ध से कैसे अंधेरे में जा रहा है खाड़ी का पेट्रोकेमिकल नेटवर्क

पर्शियन गल्फ में हालिया हमलों की नई लहर ने दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा गलियारों में से एक को एक साथ बाधित कर दिया है। जो शुरुआत अमेरिका-इज़राइल-ईरान युद्ध में सीमित सैन्य कार्रवाई से हुई थी, वह अब वैश्विक ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल आपूर्ति पर व्यापक झटके में बदल रही है।

दुनिया को ऊर्जा देने वाला 'आर्क'

ईरान के दक्षिणी तट से लेकर सऊदी अरब के पूर्वी औद्योगिक क्षेत्रों तक फैला यह इलाका तेल, गैस और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों का घना नेटवर्क है। यह 'पेट्रोकेमिकल आर्क' आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग की रीढ़ है—जो प्लास्टिक, उर्वरक, ईंधन और औद्योगिक रसायन तैयार करता है, जिनका इस्तेमाल एशिया, यूरोप और दुनिया भर में होता है।

हालिया हमलों ने कम से कम छह देशों के प्रमुख केंद्रों को प्रभावित किया है:

ईरान (साउथ पार्स/असालुयेह क्षेत्र सहित)

कतर (रास लाफान स्थित हब)

संयुक्त अरब अमीरात (हबशन गैस कॉम्प्लेक्स, रूवाइस औद्योगिक क्षेत्र)

सऊदी अरब (जुबैल इंडस्ट्रियल सिटी)

कुवैत (ऊर्जा और ईंधन अवसंरचना)

बहरीन (रिफाइनिंग और स्टोरेज साइट्स)

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सऊदी अरब के जुबैल इंडस्ट्रियल सिटी में ड्रोन हमलों के बाद आग लग गई, जबकि साउथ पार्स गैस फील्ड को भी निशाना बनाया गया—जो ईरान के पेट्रोकेमिकल सेक्टर की रीढ़ है।

नुकसान कितना बड़ा है?

यह सिर्फ स्थानीय नुकसान नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति पर बड़ा झटका है। अनुमान है कि:

दुनिया की लगभग 12% एथिलीन क्षमता ठप हो चुकी है

करीब 20% पेट्रोकेमिकल उत्पादन प्रभावित हुआ है

हॉर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग बाधाओं से सप्लाई और धीमी हो गई है

इसके अलावा, पैराक्साइलीन और नैफ्था जैसे अहम कच्चे पदार्थों की लाखों टन आपूर्ति प्रभावित हुई है।

पेट्रोकेमिकल्स तेल से ज्यादा क्यों अहम

तेल की कमी सुर्खियां बनती है, लेकिन पेट्रोकेमिकल्स रोजमर्रा की जिंदगी में ज्यादा गहराई से जुड़े हैं

आर्टेमिस II में एस्ट्रोनॉट्स साथ में 'खिलौना' क्यों ले गए हैं? 50 लाख से ज्यादा नाम ले जाने वाले 'राइज' के बारे में कितना जानते हैं आप?

नई दिल्ली । नासा का आर्टेमिस II मिशन से जुड़े चार अंतरिक्ष यात्री ओरियन अंतरिक्ष यान में सवार होकर चंद्रमा की ओर रवाना हो चुके हैं यह दल चंद्रमा के पास से गुजरेगा और बिना उतरे वापस लौट आएगा। 1972 के बाद इस पहले मानवयुक्त चंद्र मिशन में छोटा सा मुलायम खिलौना अंतरिक्ष यात्रियों की मदद के लिए उनके साथ यान में गया है। इसका नाम है 'राइज', जो पूरे विश्व के लाखों लोगों की भावनाओं और सपनों को चंद्रमा पर साथ ले जाने वाले मिशन का मैसकॉट (शुभंकर) भी है। आर्टेमिस II 2 अप्रैल को लांच हुआ था।

दरअसल 'राइज' एक जीरो-ग्रेविटी इंडिकेटर (शून्य गुरुत्वाकर्षण संकेतक) है। अंतरिक्षयात्री मिशन पर जीरो-ग्रेविटी इंडिकेटर को यह जानने के लिए अपने साथ ले जाते हैं कि कैप्सूल कब अंतरिक्ष में पहुंच गया है। जब स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से बाहर निकल जाता है, तो ये इंडिकेटर हवा में तैरने लगता है तो पता चल जाता है कि अब अंतरिक्ष यान निर्वात में है। इन वस्तुओं का अक्सर गहरा प्रतीकात्मक अर्थ होता है और इनका चयन सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद किया जाता है।

28 मार्च को आर्टेमिस II के अंतरिक्ष यात्रियों ने राइज का परिचय दुनिया से कराया था और इसका महत्व बताया। इसका चयन 50 से अधिक देशों से प्राप्त हजारों प्रविष्टियों में से किया गया था। हालांकि नासा को कैलिफोर्निया के माउंटेन व्यू शहर के तीसरी कक्षा के छात्र लुकास (8) की डिजाइन पसंद आई। यह डिजाइन अपोलो 8 मिशन के प्रसिद्ध 'अर्थराइज' पल के लिए सम्मान है, जिसमें पहली बार अंतरिक्ष से पृथ्वी का उदय (अर्थराइज) देखा गया था। लुकास का यह डिजाइन नासा के 'मून मैसकॉट डिजाइन चैलेंज' में चुना गया था। इस चैलेंज में 50 से ज्यादा देशों से 2,600 से अधिक एंट्रीज आई थीं, जिनमें स्कूली बच्चों की डिजाइन भी शामिल थे। राइज को नासा के गॉडर्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर (मैरीलैंड) की थर्मल ब्लैंकेट लैब में विशेष रूप से बनाया गया है। यह बहुत हल्का और सॉफ्ट है, ताकि अंतरिक्ष में आसानी से तैर सके।

इस आर्टेमिस 2 मिशन में चांद का चक्कर लगाने के लिए साथ जाने वाले राइज की एक और खास बात यह है कि इसके अंदर एक एसडी कार्ड रखा गया है, जिसमें दुनिया भर के लोगों के 56,47,889 नाम दर्ज हैं। ये नाम 'सेंड योर नेम विद आर्टेमिस' अभियान के तहत इकट्ठा किए गए थे। इस तरह राइज न सिर्फ एक खिलौना है, बल्कि पूरी मानवता की उम्मीद और एकजुटता का प्रतीक भी बन गया है।

क्यों कलपक्कम रिएक्टर, जो जितना ईंधन इस्तेमाल करता है उससे अधिक बनाता है, भारत के परमाणु भविष्य के लिए अहम है

भारत के कलपक्कम फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने क्रिटिकलिटी हासिल कर ली है, जो देश की दीर्घकालिक परमाणु ऊर्जा योजना में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इस उपलब्धि का मतलब है कि रिएक्टर ने सफलतापूर्वक एक स्व-निर्भर परमाणु श्रृंखला अभिक्रिया हासिल कर ली है, जो बड़े पैमाने पर बिजली उत्पादन शुरू करने से पहले एक जरूरी चरण है।

इस मील के पत्थर को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह भारत के तीन-चरणीय परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण को आगे बढ़ाता है, जिसका उद्देश्य अंततः देश के विशाल थोरियम भंडार का ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग करना है।

'क्रिटिकलिटी' का क्या मतलब है?

क्रिटिकलिटी उस अवस्था को कहते हैं जब एक परमाणु रिएक्टर स्थिर और स्व-निर्भर विखंडन (फिशन) प्रक्रिया हासिल कर लेता है। सरल शब्दों में, हर परमाणु विभाजन से इतने न्यूट्रॉन निकलते हैं कि वे लगातार और संतुलित दर से आगे की प्रतिक्रियाओं को जारी रखते हैं।

इसका यह मतलब नहीं है कि रिएक्टर अभी बिजली बना रहा है, बल्कि यह पुष्टि करता है कि उसका कोर सही तरीके से काम कर रहा है। अब रिएक्टर को बिजली ग्रिड से जोड़ने से पहले और परीक्षण व समायोजन किए जाएंगे।

कलपक्कम रिएक्टर को खास क्या बनाता है?

500 मेगावाट इलेक्ट्रिक का यह प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर पारंपरिक रिएक्टरों से अलग है, खासकर इसके ईंधन उपयोग और उत्पादन के तरीके में। सामान्य रिएक्टरों के विपरीत, जो न्यूट्रॉन को धीमा करते हैं, यह रिएक्टर तेज गति वाले न्यूट्रॉन और तरल सोडियम को कूलेंट के रूप में उपयोग करता है। यह यूरेनियम और प्लूटोनियम के मिश्रण पर चलता है और साथ ही आसपास की सामग्री को न्यूक्लियर ट्रांसम्यूटेशन के जरिए नए ईंधन में बदलता है। यानी, यह जितना ईंधन खपत करता है उससे ज्यादा पैदा करता है—जो ब्रीडर रिएक्टरों की एक खास विशेषता है और परमाणु ईंधन के अधिक कुशल उपयोग को संभव बनाती है।

भारत की तीन-चरणीय योजना में इसकी भूमिका

भारत का परमाणु कार्यक्रम तीन चरणों में तैयार किया गया है, ताकि सीमित यूरेनियम संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सके और थोरियम भंडार का लाभ उठाया जा सके:

चरण 1: प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग करने वाले प्रेसराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर, जो प्लूटोनियम भी उत्पन्न करते हैं

चरण 2: कलपक्कम जैसे फास्ट ब्रीडर रिएक्टर, जो प्लूटोनियम का उपयोग कर अधिक फिसाइल सामग्री पैदा करते हैं

चरण 3: थोरियम आधारित रिएक्टर, जो पहले चरणों में उत्पन्न ईंधन का उपयोग करेंगे

कलपक्कम रिएक्टर पहले और तीसरे चरण के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है, क्योंकि यह भविष्य के थोरियम रिएक्टरों के लिए जरूरी ईंधन आधार तैयार करता है।

थोरियम क्यों महत्वपूर्ण है?

भारत के पास यूरेनियम के सीमित भंडार हैं, लेकिन दुनिया के सबसे बड़े थोरियम भंडारों में से एक है, खासकर तटीय क्षेत्रों में।

यह तीन-चरणीय कार्यक्रम समय के साथ थोरियम को उपयोगी परमाणु ईंधन में बदलने के लिए बनाया गया है, जिससे आयातित यूरेनियम पर निर्भरता कम होगी और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इस उपलब्धि को भारत की नागरिक परमाणु यात्रा में 'निर्णायक कदम' बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि यह मील का पत्थर भारत के परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है और देश के लिए गर्व का क्षण है।

कलपक्कम स्क्रक्क की सफल क्रिटिकलिटी दशकों के वैज्ञानिक प्रयास और स्वदेशी तकनीकी क्षमता का प्रतीक है। यह भारत को उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में भी शामिल करता है जिनके पास उन्नत ब्रीडर रिएक्टर कार्यक्रम हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उपलब्धि भारत को अपने ही परमाणु संसाधनों के कुशल उपयोग के जरिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता के दीर्घकालिक लक्ष्य के और करीब ले जाती है।

मसालों को खराब होने से कैसे बचाएं, हल्दी-धनिया और मिर्च में नहीं पड़ेंगे

भारतीय खाने में मसालों का इस्तेमाल काफी ज्यादा होता है। घर में आपको अलग-अलग तरह के कई मसाले आसानी से मिल जाएंगे। रोज की सब्जी दाल में मिर्च, धनिया पाउडर, हल्दी का इस्तेमाल होता है, जिससे कुछ लोग एक साथ काफी ज्यादा मसाले खरीद लाते हैं। लेकिन अगर मसालों को सही तरीके से स्टोर न करें तो उनमें कीड़े लग जाते हैं। कई बार मसालों में फंगस आ जाती है। ऐसे में मसालों को खराब होने से बचाने के लिए कुछ टिप्स को जरूर फॉलो करें। इससे मसाले लंबे समय तक खराब नहीं होंगे और खुशबू भी बनी रहेगी।

मसालों को खराब होने से कैसे बचाएं?

एयर टाइट डब्बों में रखें- ज्यादा मसाले हैं तो उन्हें एयर टाइट डब्बों में पैक करके रखें। डब्बे के ढक्कन को खुला न छोड़ें इससे मसाले सील जाते हैं। कोशिश करें कि मसालों को कांच के डब्बों में पैक करें। इससे मसाले काफी लंबे समय तक खराब नहीं होगी और खुशबू बनी रहेगी।

फ्रिज में स्टोर करें- ठंडी जगह पर मसाले काफी लंबा चल जाते हैं। इसलिए जिन मसालों का इस्तेमाल आप बहुत ज्यादा नहीं करते हैं उन्हें फ्रिज में किसी एयर टाइट कंटेनक में डालकर पैक कर दें। इससे सालों तक मसाले में कोई कीड़ा नहीं

लगेगा और आपके मसाले एकदम फ्रेश बने रहेंगे। नमक काली मिर्च डालकर रखें- अगर मसालों में सीलन जल्दी आने लगती है तो आसान तरीका है उन्हें एयरटाइट कंटेनरों में स्टोर करें। खासतौर से हल्दी, धनिया और लाल मिर्च के डब्बे में थोड़ा नमक या काली मिर्च के दाने डालकर स्टोर करें। इससे नमी जल्दी नहीं लगती।

मसालों को अंधेरे में रखें- धूप की बजाय मसालों अंधेरे वाली जगह पर स्टोर करें। तेज धूप में मसालों का रंग खराब होने लगता है। इसलिए मसालों को किसी अंधेरी जगह पर रखें या अगर उन्हें रखने की जगह न हो तो उन्हें गहरे रंग की बोतलों में रखें।

धूप लगाएं- अगर आप इनमें से कोई उपाय नहीं कर पा रहे हैं तो मसालों को खराब होने से बचाने के लिए समय-समय पर तेज धूप लगाएं। धूप से मसालों में पैदा हो रही नमी दूर हो जाएगी और मसाले लंबे समय तक खराब नहीं होंगे। इससे मसालों में कीड़ा भी पैदा नहीं होगा।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए फायदेमंद है तैराकी, जानें इसके पीछे का विज्ञान

भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से बचने के लिए तैराकी और वॉटर एक्सरसाइज सबसे प्रभावी और आनंददायक विकल्प हैं। तैराकी न केवल शरीर को शीतलता प्रदान करती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। विशेष रूप से बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों (क्रोनिक बीमारियों) से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए यह बेहद फायदेमंद है।

गर्मियों में तैराकी न सिर्फ शरीर को ठंडा रखती है, बल्कि पूरे साल फिट रहने का बेहतरीन तरीका भी है। चाहे आप युवा हों या बुजुर्ग, स्वस्थ हों या कोई पुरानी बीमारी हो, तैराकी लगभग सभी के लिए फायदेमंद है।

तैराकी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि पानी का उत्प्लावन बल शरीर का वजन

कम कर देता है। इससे जोड़ों पर दबाव नहीं पड़ता और दर्द या चोट का खतरा काफी कम हो जाता है। जो लोग गठिया, घुटनों के दर्द या हड्डियों की कमजोरी से परेशान रहते हैं, उनके लिए तैराकी बहुत सुरक्षित और प्रभावी व्यायाम है। यह एरोबिक व्यायाम के साथ-साथ मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाला प्रशिक्षण भी देता है।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, तैराकी हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, रक्त संचार सुधारती है और अधिकतम ऑक्सीजन ग्रहण क्षमता बढ़ाती है। यह डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधी बीमारियों वाले लोगों के लिए भी बहुत उपयोगी है। नियमित तैराकी से मांसपेशियों की ताकत, सहनशक्ति, संतुलन और लचीलापन बढ़ता है। गर्मियों में तैराकी का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर का तापमान नियंत्रित रखती है और डिहाइड्रेशन से बचाती है।

साथ ही, पानी में व्यायाम करने से मनोवैज्ञानिक लाभ भी मिलते हैं। इससे तनाव, चिंता और अवसाद कम होता है, मूड अच्छा रहता है और नींद की गुणवत्ता बढ़ती है। तैराकी के दौरान एंडोर्फिन, डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे अच्छे हार्मोन रिलीज होते हैं, जो खुशी और सुकून का एहसास कराते हैं। कुछ रिसर्च में यह भी सामने आया कि पानी के आस-पास रहने से कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) कम होता है और ऑक्सीटोसिन बढ़ता है, जिससे व्यक्ति ज्यादा खुश और स्वस्थ महसूस करता है।

अकेलापन और सामाजिक अलगाव आजकल बुजुर्गों में आम समस्या है। ग्रुप एक्टिविटी से यह समस्या कम होती है और मानसिक स्वास्थ्य मजबूत होता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि नदियों, झीलों या स्विमिंग पूल जैसे 'ब्लू स्पेस' में समय बिताने से शारीरिक गतिविधि बढ़ती है, तनाव घटता है और स्वास्थ्य बेहतर होता है।

आदित्य धर ने दिखाई 'धुरंधर' के संगीत की पर्दे के पीछे की झलक, शाश्वत सचदेवा को बताया 'छोटा भाई'

मुंबई। स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' के सबसे बड़े धुरंधर साबित हुए हैं संगीतकार शाश्वत सचदेवा। उन्होंने न सिर्फ फिल्म के लिए शानदार गाने बनाए, बल्कि उन गानों को पूरी दुनिया तक पहुंचाने का काम भी किया। शाश्वत सचदेव ने आदित्य धर द्वारा निर्देशित फिल्म 'धुरंधर' और इसके सीक्वल 'धुरंधर 2' में हाई-ऑक्टेन एक्शन फिल्म के लिए तेज रफ्तार वाले, सिंथ बीट्स पर आधारित पॉप और रैप स्टाइल के गाने तैयार किए।

फिल्म की सफलता और गानों की जबरदस्त पॉपुलैरिटी को देखते हुए निर्देशक आदित्य धर ने इंस्टाग्राम के जरिए शाश्वत की जमकर तारीफ की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर गानों की तैयारी के दौरान की गई बैकस्टेज तस्वीरें और वीडियो भी शेयर किए। इनमें शाश्वत सचदेवा समेत सभी गायकों और संगीतकारों को देखा जा सकता है।

आदित्य ने लिखा, 'शाश्वत सचदेव को सलाम। कुछ साथी सिर्फ काम के साथी नहीं होते बल्कि, वे धीरे धीरे परिवार जैसे बन जाते हैं। शाश्वत मेरे लिए ठीक ऐसे ही रहे हैं। वे 'धुरंधर' के संगीतकार ही नहीं बल्कि, मेरे एक छोटे भाई जैसे हैं। हमने साथ में बेहद गहरे क्रिएटिव पलों को साझा किया।

निर्देशक ने आगे लिखा, 'धुरंधर पार्ट 1' के लिए 9 गाने सिर्फ 9 दिनों में और पूरा बीजीएम 6 दिनों में। फिर 'धुरंधर पार्ट 2' 14 गाने 11 दिनों में, बीजीएम 3 दिनों में पूरा किया गया। इस गति, पैमाने, भावनात्मक गहराई और बेहतरीन क्वालिटी के साथ यह काम सचमुच जबरदस्त था।

निर्देशक ने बताया कि दोनों एल्बम मात्र 3 महीने के अंदर रिलीज होने के बावजूद ग्लोबल म्यूजिक चार्ट्स पर टॉप पर पहुंच गए। उन्होंने लिखा, 'फिल्म के लगभग हर गाने को दुनिया भर से प्यार और सराहना मिली, जो किसी भी फिल्म के लिए बहुत कम देखने को मिलता है।

आदित्य धर ने अपने पोस्ट में याद करते हुए लिखा, 'लगभग 15 दिनों तक मेरा घर सिर्फ घर नहीं रहा, बल्कि एक जीवंत म्यूजिक स्टूडियो बन गया था। हर कमरे में कुछ न कुछ काम चल रहा था। लिविंग रूम में म्यूजिक बन रहा था, बेडरूम में रिकॉर्डिंग हो रही थी और बालकनी में गाने लिखे जा रहे थे। गायक और संगीतकार लगातार आते-जाते रहे। दिन और रात एक-दूसरे में घुल-मिल गए। 21-22 घंटे तक के लंबे सेशन चलते रहे। समय का पता ही नहीं चलता था, बस सही चीज बनाने का जुनून था। 'निर्देशक ने शाश्वत की मेहनत की खास तारीफ करते हुए लिखा, 'इस पूरे प्रोजेक्ट के केंद्र में शाश्वत ही थे। वे सब कुछ संभाल रहे थे। क्रिएट करना, कंपोज करना, गाइड करना, फीडबैक देना और हर चीज को बेहतर बनाना। कई बार वे बीमार भी थे, कम नींद ले रहे थे और स्वास्थ्य की समस्याओं से जूझ रहे थे, फिर भी वे बिना रुके, बिना कोई समझौता किए पूरे जोश के साथ मौजूद रहे। ऐसी लगन और दृढ़ता आजकल बहुत कम देखने को मिलती है।

अवॉर्ड शो में विवाद के बीच सलमान खान ने किया राजपाल यादव का समर्थन, बोले- 'दिल से काम करो'

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री में अक्सर ऐसे मौके आते हैं, जब कलाकारों को न सिर्फ अपने काम के लिए, बल्कि निजी जिंदगी से जुड़े मामलों को लेकर भी आलोचना का सामना करना पड़ता है। हाल ही में एक अवॉर्ड शो के दौरान कुछ ऐसा ही हुआ, जब मशहूर अभिनेता राजपाल यादव को लेकर एक टिप्पणी की गई, जिसने विवाद खड़ा कर दिया।

इस पूरे मामले में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान खुलकर राजपाल यादव के समर्थन में सामने आए। उन्होंने न सिर्फ उनके काम की तारीफ की, बल्कि उन्हें हिम्मत भी दी कि वह इन बातों को नजरअंदाज कर आगे बढ़ें।

सलमान खान ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा पोस्ट साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने राजपाल यादव के करीब 30 साल लंबे करियर की सराहना की।

सलमान खान ने लिखा, ''राजपाल भाई, आप 30 साल से काम कर रहे हैं और हम सबने आपको बार-बार फिल्मों में इसलिए कास्ट किया है, क्योंकि आप अपना काम अच्छी तरह जानते हैं, एक वैल्यू लाते हैं।

सलमान ने पोस्ट में आगे लिखा, ''काम तो आपको बहुत मिलेगा और इसी डॉलर रेट पर काम मिलेगा और मिलता रहेगा, ये हकीकत है। यह याद रखना कि कभी-कभी फ्लो में कुछ निकल आता है, अगर इस पर ध्यान नहीं है तो दिमाग में रखो, दिल से काम करो, डॉलर ऊपर हो या नीचे, क्या फर्क पड़ता है। देना तो इंडिया में ही है।

दरअसल, यह पूरा विवाद एक अवॉर्ड समारोह के दौरान शुरू हुआ, जहां शो के होस्ट ने राजपाल यादव पर तंज कसते हुए उनके पुराने केस का जिक्र कर दिया। होस्ट ने मजाक में कहा, ''डॉलर का रेट चाहे जितना ऊपर-नीचे हो जाए, आपको पैसे तो उतने ही वापस करने हैं।

इस टिप्पणी को कई लोगों ने अनुचित और अपमानजनक करार दिया, क्योंकि यह एक संवेदनशील कानूनी मामले से जुड़ी हुई थी।

राजपाल यादव के खिलाफ एक चेक बाउंस केस दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहा है। उन्होंने 2010 में अपनी डायरेक्टोरियल फिल्म 'अता-पता लापता' बनाने के लिए मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड से लगभग पांच करोड़ रुपए का लोन लिया था। फिल्म आर्थिक रूप से सफल नहीं हुई, जिससे भुगतान में देरी हुई और कई चेक बाउंस हो गए। इसके बाद नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

व्यस्त शूटिंग के बीच भी डबिंग पूरी, अक्षय ओबेरॉय बोले- 'करियर का यह दौर रोमांचक भी, थकाने वाला भी'

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर ऐसा होता है कि कलाकारों को एक साथ कई प्रोजेक्ट्स संभालने पड़ते हैं। इन दिनों अभिनेता अक्षय ओबेरॉय भी कुछ ऐसे ही व्यस्त दौर से गुजर रहे हैं। एक ओर जहां वह देहरादून में अपनी नई फिल्म की शूटिंग में लगे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म की डबिंग का काम भी पूरा कर लिया है।

अक्षय ओबेरॉय ने अपनी अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'टू जीरो वन फोर' की डबिंग पूरी कर ली है, जिसमें उनके साथ जैकी श्रॉफ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन श्रवण तिवारी ने किया है। फिल्म की कहानी जासूसी और एक्शन से भरपूर है, जिसमें अक्षय एक आतंकवादी की भूमिका निभा रहे हैं जबकि जैकी श्रॉफ एक आर्मी ऑफिसर के किरदार में दिखाई देंगे।

फिल्म की शूटिंग रूस, मुंबई और कच्छ जैसे अलग-अलग लोकेशन्स पर की गई है, जहां एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय साजिश को दिखाया जाएगा।

अक्षय इस समय 'लव लेटर' की शूटिंग के लिए देहरादून में मौजूद हैं। व्यस्त शेड्यूल के बावजूद, उन्होंने 'टू जीरो वन फोर' की डबिंग के लिए समय निकाला। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, ''मेरे करियर का यह समय बेहद रोमांचक है, लेकिन इसके साथ ही काफी थकाने वाला भी है। लगातार काम करने के कारण समय निकालना मुश्किल होता है, लेकिन मैं अपने हर प्रोजेक्ट को पूरी जिम्मेदारी के साथ पूरा करना चाहता हूं।

अक्षय ने कहा, ''देहरादून में शूटिंग के दौरान भी मैंने डबिंग के लिए समय निकाला। यह मेरे करियर का एक खास दौर है, जहां मुझे अलग-अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। साथ ही यह चुनौतीपूर्ण भी है, लेकिन एक कलाकार के रूप में मुझे इससे बहुत कुछ सीखने को मिला है।

उन्होंने अपनी फिल्म 'टू जीरो वन फोर' के बारे में बात करते हुए कहा, ''इस फिल्म में मेरा किरदार अब तक निभाए गए सभी किरदारों से काफी अलग है। इस फिल्म में एक अलग गंभीरता और ऊर्जा देखने को मिलेगी। ऐसे रोल करना मेरे लिए एक नया अनुभव है, जो मुझे अपने अभिनय को और बेहतर बनाने का मौका देता है।

'हर रीटेक में शरीर जवाब देने लगा था', रोहन गंडोत्रा ने 'नशा' की शूटिंग का बताया किस्सा

मुंबई। मनोरंजन जगत में कई बार दर्शकों को जो कुछ स्क्रीन पर दिखाई देता है, उसके पीछे कलाकारों की कड़ी मेहनत होती है। खासतौर पर जब कहानी भावनाओं से भरी हो, तो अभिनेता को न सिर्फ अभिनय करना होता है, बल्कि उस दर्द को खुद महसूस भी करना पड़ता है। इसी तरह का अनुभव अभिनेता रोहन गंडोत्रा ने साझा किया है। उन्होंने अपने प्रोजेक्ट 'नशा' की शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। रोहन गंडोत्रा इस प्रोजेक्ट में सनी लियोनी के साथ नजर आएंगे, जिसे विक्रम भट्ट ने डायरेक्ट किया है। यह कहानी एक ऐसे लव ट्रायंगल पर आधारित है, जिसमें प्यार, धोखा, दिल टूटने और भावनात्मक संघर्ष को दिखाया गया है। इस कहानी में रिश्तों का एक ऐसा पहलू सामने आता है, जहां प्यार धीरे-धीरे एक अंधेरे मोड़ पर पहुंच जाता है और किरदारों के बीच तनाव बढ़ता जाता है।

अपने अनुभव को साझा करते हुए रोहन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का एक खास सीन उनके लिए अब तक के सबसे कठिन अनुभवों में से एक रहा। उन्होंने कहा, ''यह सीन शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से बेहद थका देने वाला था। कई बार ऐसा लगा कि मेरा शरीर जवाब दे रहा है, लेकिन एक अभिनेता होने के नाते मुझे अपने किरदार की भावनाओं के साथ ईमानदार रहना था। उस पल में मुझे खुद को पूरी तरह उस स्थिति में ढालना पड़ा, ताकि सीन असली लगे।

रोहन ने आगे कहा, ''मेरा मकसद सिर्फ अभिनय करना नहीं था, बल्कि दर्शकों तक उस दर्द को पहुंचाना था, जिसे उनका किरदार महसूस कर रहा है। मैं चाहता था कि दर्शक सिर्फ उस दर्द को देखें नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करें।

टोक्यो में करण जौहर का 'फैन बॉय' मोमेंट, मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे के साथ आए नजर

मुंबई । मशहूर फिल्म निर्देशक करण जौहर फिलहाल जापान की राजधानी टोक्यो की सैर पर हैं। इस यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात हॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्रियों मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे से हुई। करण ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया।

पोस्ट की गई तस्वीरों में करण स्ट्रीप और हैथवे के साथ पोज देते हुए नजर आ रहे हैं। करण ने अपनी पोस्ट पर बताया कि दोनों सितारे फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' का प्रमोशन कर रहे हैं। साथ ही करण मजाकिया अंदाज में लिखते हैं कि अब ये तस्वीर उनकी वसीयत में शामिल होगी।

निर्देशक ने लिखा, 'यह कोई साधारण कैप्शन नहीं बल्कि मेरा कबूलनामा है। मैं अकेले ही मेरिल स्ट्रीप की अद्भुत अभिनय कला का बहुत बड़ा दीवाना हूं। उन्होंने कई तरीकों से मुझे अभिनय की कला सिखाई है। वे मेरी गुरु जैसी हैं।

करण ने बताया कि उन्होंने फिल्म 'द डेविल वियर प्राडा' को कम से कम 47 बार देखा है।

निर्देशक लिखते हैं, 'मैंने इस फिल्म के डायलॉग्स को डिनर टेबल पर, एडिटिंग रूम में और बोर्ड मीटिंग्स में भी दोहराया है। सच में इसलिए जब मैं आज मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे के साथ खड़ा हुआ, तो मुझे लगा जैसे जमीन हिल गई हो। मैं बहुत कोशिश कर रहा था कि शांत रहूं लेकिन मेरा दिल बहुत जोर से धड़क रहा था। मेरे घुटने सच में कांप रहे थे।

निर्देशक ने दोनों अभिनेत्रियों की तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे बहुत गर्मजोशी से मिलीं। वे बहुत स्वागतशील रहीं। यह तस्वीर मेरी वसीयत में जाएगी और हां, अभी और बहुत कुछ आने वाला है...क्योंकि मैंने इस सीजन के अपने पसंदीदा सितारों से बातचीत की। बस, अभी के लिए इतना ही।

मेरिल स्ट्रीप और ऐनी हैथवे हॉलीवुड की दो सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित अभिनेत्रियां हैं, जो मुख्य रूप से 2006 की कल्ट फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' में एक साथ मिरांडा प्रीस्टली और एंडी सैक्स की भूमिकाओं के लिए जानी जाती हैं। यह जोड़ी अपने आगामी सीक्वल, 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' में फिर से साथ आ रही हैं। यह फिल्म 1 मई को रिलीज होगी, जिसमें वे मिरांडा प्रीस्टली और एंडी सैक्स के रूप में अपनी प्रतिष्ठित भूमिकाओं को दोहराएंगी।

'जुबली' की रिलीज को हुए 3 साल, याद आया भारतीय सिनेमा का वो दौर

मुंबई । कहते हैं कि सिनेमा समाज का आईना होता है। निर्देशक अपनी दूरदर्शिता से उन कहानियों और लम्हों को उजागर करता है, जो आम लोगों को शायद ही पता होता है। ठीक इसी भावना के साथ साल 2023 में अजेजन प्राइम वीडियो पर पीरियड ड्रामा वेब सीरीज 'जुबली' रिलीज हुई थी।

यह सीरीज 1940-50 दशक के भारतीय सिनेमा के सुनहरे दौर को दिखाती है। इसमें देश के बंटवारे की त्रासदी, बॉलीवुड की आंतरिक सियासत और ग्लैमर की दुनिया को खूबसूरती से पेश किया गया था।

सीरीज में मुख्य भूमिकाओं में अदिति राव हैदरी, अपरशक्ति खुराना, सिद्धांत गुप्ता, वामीका गब्बी और प्रसेनजित चटर्जी जैसे कलाकार नजर आए थे। सभी कलाकारों ने अपने बेहतरीन अभिनय से उस दौर के सिनेमा को वेब सीरीज पर जीवंत किया था।

मंगलवार को सीरीज ने रिलीज के तीन साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर प्राइम वीडियो ने इंस्टाग्राम के जरिए पुराने यादों को ताजा किया। उन्होंने सीरीज के किरदारों की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने लिखा, 'हमने जब से कहानियों, रोशनी और सितारों के सुनहरे दौर में कदम रखा है, आज 3 साल पूरे हो गए हैं।

विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा निर्देशित सीरीज का लेखन सौमिक सेन , विक्रमादित्य मोटवानी और अतुल सभरवाल ने किया है, जबकि विक्रमादित्य मोटवानी , शिबाशीष सरकार , सृष्टि बहल और विक्रम मल्होत्रा ने मिलकर निर्माण में काम किया है। कुल 10 एपिसोड की इस सीरीज को रिलीज के बाद खूब सराहना मिली थी। आज भी इसके कुछ यादगार सीन और डायलॉग सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं।

खुफिया जानकारी और उन्नत निगरानी का कमाल : सीआईए ने ऐसे लगाया ईरान में फंसे पायलट का पता

वाशिंगटन। सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) ने ईरान के अंदर फंसे एक अमेरिकी पायलट का पता लगाने में अहम भूमिका निभाई है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे समय के खिलाफ रेस बताया है।

सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ ने कहा कि यह मिशन मानव इंटेलिजेंस और एडवांस्ड सर्विलांस टूल्स, दोनों पर निर्भर था। उन्होंने कहा, 'हमने मानव एसेट्स और बेहतरीन तकनीक, दोनों का इस्तेमाल किया, जो दुनिया की किसी दूसरी इंटेलिजेंस सर्विस के पास नहीं है।

उन्होंने इस कोशिश को 'रेगिस्तान के बीच में रेत के एक कण ढूंढ़ने जैसा' बताया।

लापता हुए पायलट ने खतरनाक इलाके में इजेक्ट किया था और ईरानी सेना से बचते हुए लगभग दो दिनों तक छिपा रहा। रैटक्लिफ ने कहा कि पकड़े जाने से बचने के लिए तेजी और गोपनीयता जरूरी थी।

उन्होंने कहा, 'यह बहुत जरूरी था कि हम पायलट का जल्द से जल्द पता लगा लें और साथ ही अपने दुश्मनों को गुमराह भी करते रहें।

ऐसा करने के लिए, सीआईए ने 'ईरानियों को गुमराह करने के लिए एक

धोखा देने वाला कैंपेन चलाया, जो हमारे पायलट का बेसब्री से तलाश कर रहे थे।

रैटक्लिफ ने कहा कि शनिवार सुबह कामयाबी तब मिली जब इंटेलिजेंस एजेंसियों ने पुष्टि किया पायलट जिंदा है और पहाड़ी इलाके में छिपा हुआ है।

उन्होंने कहा, 'हमने अमेरिका के सबसे अच्छे और बहादुर लोगों में से एक को ढूंढकर और यह पुष्टि करके अपना पहला मकसद हासिल कर लिया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने और जानकारी देते हुए कहा कि इंटेलिजेंस टीमों ने काफी दूर से गतिविधि को ट्रैक किया। उन्होंने कहा, 'हम पहाड़ पर कुछ हिलते हुए देख रहे हैं, 40 मील दूर। लगातार देखने के बाद, उन्होंने कहा कि वह हमारे पास है।

सीआई की पुष्टि से सेना को दूसरा, बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने में मदद मिली, जिसमें काफी फोर्स शामिल थी।

अधिकारियों ने कहा कि इस मिशन ने इंटेलिजेंस और सैन्य क्षमताओं के इंटीग्रेशन को दिखाया, जिसमें रियल-टाइम कोऑर्डिनेशन से सटीक टारगेटिंग और तेजी से रिस्पॉन्स मुमकिन हुआ।

रैटक्लिफ ने जोर देकर कहा कि ऑपरेशन के कई पहलू अभी भी गोपनीय हैं। मिशन की सफलता इंटेलिजेंस एजेंसियों और मुश्किल हालात में काम कर रही मिलिट्री यूनिट्स के बीच तालमेल को भी दिखाती है।

यह ऑपरेशन ईरान में अमेरिका की बड़ी मिलिट्री कार्रवाई के बीच हुआ है, जहां अधिकारियों का कहना है कि हाल के हफ्तों में हजारों उड़ानें भरी गई हैं।

इस्तीफा देने वाले ट्रंप के अधिकारी की सलाह, 'ईरान नहीं अमेरिका खतरे में'

वाशिंगटन। 'जमीर को गवारा नहीं' कह कर शीर्ष पद से इस्तीफा देने वाले जो केंट ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी को गैर जरूरी और हलका करार दिया है। उन्होंने ट्रंप को बेवजह गुस्से से परहेज करने और गंभीर संवाद करने की सलाह दी।

मंगलवार को ट्रंप की बड़े बयान का जिक्र करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह के कदम अमेरिका की वैश्विक छवि और उसकी महाशक्ति की स्थिति को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा कर सकते हैं।

जो केंट वही हैं जिन्होंने 17 मार्च को नेशनल काउंटर-टेररिज्म सेंटर के डायरेक्टर पद से ईरान संघर्ष को गलत करार देते हुए इस्तीफा दे दिया था।

अपनी विशलेषणात्मक टिप्पणी में, जो ने ट्रंप को चेताया है। उनके अनुसार, ट्रंप भले ही ईरान को कड़ी चेतावनी देकर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम अमेरिका के लिए ही खतरा बन सकते हैं। इसमें आशंका जताई गई है कि यदि ईरान के खिलाफ किसी प्रकार की व्यापक सैन्य कार्रवाई या उसकी सभ्यता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जाती है, तो संयुक्त राज्य अमेरिका की वैश्विक भूमिका पर सवाल खड़े हो सकते हैं और उसका इकबाल बुलंद नहीं रहेगा।

उन्होंने एक्स पर ट्रंप की पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- ट्रंप को लगता है कि वह ईरान को बर्बादी की धमकी दे रहे हैं, लेकिन सच ये है कि अमेरिका खतरे में है। अगर वह ईरानी सभ्यता को खत्म करने की कोशिश करते हैं, तो अमेरिका को दुनिया में स्थिरता लाने वाली ताकत के तौर पर नहीं, बल्कि अव्यवस्था

फैलाने वाले एजेंट के तौर पर देखा जाएगा। नतीजतन दुनिया की सबसे बड़ी सुपरपावर के तौर पर हमारा दर्जा खत्म हो जाएगा।

केंट ने ये भी कहा कि इससे विश्व व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और आर्थिक मोर्चे पर भी गंभीर असर देखने को मिल सकता है।

पूर्व शीर्ष अफसर के अनुसार, प्रोसेस पहले से ही चल रहा है, फिर भी हमारे पास तबाही को टालने का समय है।

श्रीलंका से रिहा हुए 30 भारतीय मछुआरे लौटे अपने वतन

कोलंबो । श्रीलंका से 30 भारतीय मछुआरों को स्वदेश वापस भेज दिया गया। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को इस संबंध में जानकारी दी।

सोशल मीडिया एक्स पर जानकारी देते हुए भारतीय दूतावास ने कहा, 'आज श्रीलंका से 30 भारतीय मछुआरों को देश भेज दिया गया है और वे अपने घर लौट रहे हैं।

श्रीलंकाई अधिकारियों द्वारा भारतीय मछुआरों को हिरासत में लेना एक आम समस्या रही है, जो अक्सर पाक खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करने के कारण उत्पन्न होती है।

यह मामला मछली पकड़ने से जुड़े विवादों के कारण लंबे समय से चिंता का विषय बना हुआ है। भारतीय अधिकारियों की नियमित

राजनयिक पहल और तमिलनाडु सरकार की अपीलों के चलते समय-समय पर मछुआरों की रिहाई और स्वदेश वापसी संभव हो पाती है। इससे पहले, 14 मार्च को 14 भारतीय मछुआरों के एक समूह को श्रीलंका से चेन्नई लाया गया था। इन्हें श्रीलंकाई तटरक्षक बल ने समुद्री सीमा उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया था। भारतीय उच्चायोग के राजनयिक हस्तक्षेप से उनकी रिहाई संभव हो पाई थी। इसके बाद 7 मार्च को 3 और 20 मार्च को 9 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा गया था।

मार्च की शुरुआत में श्रीलंका की एक अदालत ने रामेश्वरम के आठ मछुआरों को रिहा करने का आदेश दिया था, जिन्हें 13 जनवरी को आईएमबीएल के कथित उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इसी मामले में दो अन्य को कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई, जबकि सात मछुआरों को स्वदेश वापसी तक एक विशेष शिविर में रखा गया।

फरवरी में भी यह मुद्दा चर्चा में आया था, जब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने केंद्र सरकार से श्रीलंकाई अदालतों द्वारा रिहा किए गए भारतीय मछुआरों की वापसी में तेजी लाने का आग्रह किया था।

सीएम ने मंडपम और मयिलादुथुराई के 12 मछुआरों को रिहा कराने की मांग की गई थी, जिन्हें 2025 के अंत और 2026 के प्रारंभ के बीच गिरफ्तार किया गया था। इनमें से कुछ को बाद में अदालती आदेशों के बाद नजरबंदी केंद्रों में भेज दिया गया था।

भारत ने सेशेल्स को 250 मीट्रिक टन खाद्यान्न भेजा

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को हिंद महासागर के द्वीपीय देश सेशेल्स को 250 मीट्रिक टन खाद्यान्न की खेप भेजी। विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी कि 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज के तहत आगे भी सहायता भेजी जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह खाद्यान्न सहायता की पहली खेप है और आने वाले समय में और मदद दी जाएगी। फरवरी में भारत यात्रा पर आए सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने भारत द्वारा विकास, सुरक्षा और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में दिए जा रहे सहयोग की सराहना की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 9 फरवरी को मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की थी। दोनों देशों ने डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत ने सेशेल्स में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), खासकर डिजिटल पेमेंट सिस्टम के विकास में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

'सस्टेनेबिलिटी, इकोनॉमिक ग्रोथ एंड सिक्योरिटी थ्रू एन्हांस्ड लिंकज' (सेशेल) संयुक्त विजन के तहत प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स के विकास एजेंडा में भारत के विश्वसनीय साझेदार बने रहने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसमें सतत विकास, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, क्षमता निर्माण और समावेशी विकास पर विशेष जोर दिया गया है।भारत द्वारा घोषित 175 मिलियन डॉलर के विशेष आर्थिक पैकेज में 125 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट और 50 मिलियन डॉलर की अनुदान सहायता शामिल है। यह सहायता विकास परियोजनाओं, नागरिक और रक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण तथा समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में उपयोग की जाएगी। भारत और सेशेल्स के बीच 1976 में सेशेल्स की स्वतंत्रता के बाद राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। तब से दोनों देशों के बीच घनिष्ठ मित्रता और सहयोग लगातार मजबूत होता रहा है।

रेलवे सिस्टम पर हमला इंसानियत की साझी विरासत के खिलाफ, रोके यूएन: ईरान ने यूनेस्को को लिखा खत

तेहरान। ईरान की ओर से यूनेस्को को खत लिखा गया है। जिसमें ईरान के रेल सिस्टम को उड़ाने की इजरायली धमकी की आलोचना करने को कहा गया है। सांस्कृतिक विरासत मंत्री ने यूनेस्को महानिदेशक को ये आधिकारिक चिट्ठी लिखी है। दरअसल, ईरान के 1,394 किलोमीटर लंबे ट्रांस-ईरानी रेलवे को यूनेस्को ने 2021 में विश्व धरोहर के तौर पर मान्यता दी गई है।

ईरान की आईएसएनए न्यूज एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। एजेंसी ने बताया कि ईरान के सांस्कृतिक विरासत मंत्री रेजा सलीही अमीरी ने यूनेस्को के महानिदेशक को एक आधिकारिक चिट्ठी भेजी है, जिसमें यूएन एजेंसी से देश के रेलवे सिस्टम पर हमले की इजरायल की धमकी की निंदा करने और इस पर रोक लगाने की अपील की है।

यूनेस्को की वेबसाइट के मुताबिक, 1,394 किलोमीटर लंबे ट्रांस-ईरानी रेलवे को, जो उत्तर-पूर्व में कैस्पियन सागर को दक्षिण-पश्चिम में फारस की खाड़ी से जोड़ता है, यूनेस्को ने 2021 में 'इसके बड़े आकार और खड़ी चढ़ाई वाले रास्तों और दूसरी मुश्किलों को पार कर इंजीनियरिंग के मिसाल' सिस्टम को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के तौर पर मान्यता दी थी।

आईएसएनए ने बताया कि मंत्री ने इस खतरे को इंसानियत की साझी विरासत पर हमला बताया और यूएन एजेंसी से इजरायली सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए तुरंत एक साफ रुख अपनाने को कहा।

वहीं, मंगलवार को आईडीएफ ने नया वीडियो जारी कर दावा किया कि उसने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम पर हवाई हमले किए हैं। सेना के अनुसार, अब तक ईरान के 130 से ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि ईरान को 'एक ही रात में खत्म किया जा सकता है।' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान तय समय से पहले अमेरिका से समझौता नहीं करता, तो कार्रवाई कभी भी हो सकती है।

1973, 1979 और 2002 के मुकाबले ज्यादा गंभीर मौजूदा तेल संकट: आईईए प्रमुख

पेरिस । इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के प्रमुख, फातिह बिरोल ने वर्तमान तेल संकट पर चिंता जाहिर की है। उनके मुताबिक हालात पूर्व के तेल संकटों से कहीं ज्यादा बदतर हैं।

फ्रांसीसी अखबार ले फिगारो को उन्होंने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी से शुरू हुआ मौजूदा तेल और गैस संकट '1973, 1979 और 2002 के कुल संकटों से भी ज्यादा गंभीर है।

इस इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'दुनिया ने एनर्जी सप्लाई में इतनी बड़ी रुकावट कभी नहीं देखी।

उनका कहना है कि यूरोपियन देशों के साथ-साथ जापान, ऑस्ट्रेलिया और दूसरे देशों को भी नुकसान होगा, लेकिन सबसे ज्यादा खतरा विकासशील देशों को है, जिन्हें तेल और गैस की ज्यादा कीमतों, खाने की चीजों की बढ़ती

कीमतों और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है।

आईईए के सदस्य देश पिछले महीने अपने स्ट्रेटेजिक रिजर्व का कुछ हिस्सा रिलीज करने पर सहमत हुए थे। बिरोल ने कहा कि इसमें से कुछ पहले ही रिलीज किया जा चुका है, और यह प्रक्रिया जारी है। इजरायल और यूएस हमलों के जवाब में, ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में ट्रैफिक लगभग पूरी तरह से रोक दिया है, जिस रास्ते दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस नियमित तौर पर गुजरता है। फिलहाल पश्चिम एशिया संकट की वजह से ऊर्जा की कीमतों में उछाल आया है।

बता दें कि 1973 तेल संकट दुनिया के लिए सबसे दर्दनाक और परेशानी खड़ा करने वाला दौर था। तब संकट का सबसे बड़ा असर विकसित देशों पर पड़ा था।

योम किप्पुर युद्ध के दौरान अरब देशों ने तेल को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था, जिससे अमेरिका और यूरोप जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाएं हिल गई थीं। तेल की कीमतें कई गुना बढ़ीं और महंगाई व बेरोजगारी ने वहां गंभीर संकट पैदा कर दिया था।

वहीं, 2026 का संकट तस्वीर बदल चुका है। यह किसी नीतिगत फैसले का नतीजा नहीं, बल्कि सीधे सैन्य संघर्ष का प्रभाव है। फारस की खाड़ी से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के कारण वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ रही है।

इस बार सबसे बड़ा अंतर यह है कि संकट का बोझ विकसित देशों से ज्यादा विकासशील देशों पर पड़ रहा है।

जहां विकसित देशों के पास पर्याप्त रणनीतिक भंडार, मजबूत अर्थव्यवस्था और वैकल्पिक ऊर्जा विकल्प मौजूद हैं, वहीं कई एशियाई और अफ्रीकी देश तेल आयात पर निर्भर हैं।

इनके लिए बढ़ती ऊर्जा कीमतें सीधे महंगाई, खाद्य संकट और सामाजिक अस्थिरता का कारण बन सकती हैं।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ा, 118 की मौत

ढाका । बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को देश के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) ने बताया कि संदिग्ध मामलों और जटिलताओं के कारण 118 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें अधिकतर बच्चे हैं।

डीजीएचएस के मुताबिक, मृतकों की ये संख्या 15 मार्च से सोमवार सुबह तक रिकॉर्ड की गई। रविवार-सोमवार के बीच महज 24 घंटों में पांच लोगों की मौत हो गई थी।

हेल्थ एजेंसी ने बताया कि खसरे के संदिग्ध मरीजों की संख्या 2006 है और इनमें से अधिकतर बच्चे हैं जिनका देश के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

रिपोर्ट्स से पता चलता है कि राजशाही मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (आरएमसीएच) में संक्रामक बीमारी के लक्षणों से जूझ रहे दो और बच्चों की मौत हो गई, जिससे इस अस्पताल में मृतकों की कुल संख्या 42 हो

गई है। अस्पताल के प्रवक्ता शंकर कुमार बिस्वास के हवाले से बांग्लादेशी डेली ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि दोनों बच्चों की मौत 24 घंटे (रविवार-सोमवार) के बीच हुई।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि सिस्टम में सुधार के बिना, खसरे को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए इमरजेंसी उपायों से कोई खास फायदा होने की संभावना नहीं है। विशेषज्ञों और डीजीएचएस में डिजीज कंट्रोल की पूर्व निदेशक बेनजीर अहमद ने कहा कि मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने वैक्सीनेशन के लिए फंड देने वाले सेक्टोरल प्रोग्राम को अचानक रद्द कर दिया था। इसी वजह से मीजल्स वैक्सीन का संकट पैदा हो गया, जिससे कई बच्चों की मौत हो गई। बांग्लादेश के जाने-माने अखबार डेली स्टार ने अहमद के हवाले से कहा, 'जब हमें वर्ल्ड हेल्थ डे पर कुछ पॉजिटिव मनाना चाहिए, तो हमें एक आउटब्रेक से लड़ना पड़ रहा है, जो वाकई बहुत कष्टकारी है। हमें 2026 तक मीजल्स-रूबेला को खत्म करना है, लेकिन हम अस्पतालों में मीजल्स के बढ़ते मरीजों की संख्या से जूझ रहे हैं।

इसके अलावा, 2024 के आखिर में प्लान किया गया इम्यूनाइजेशन का स्पेशल कैंपेन सियासी बदलाव के बीच नहीं चलाया जा सका।

यूपी सरकार ने ग्रेटर नोएडा को दी बड़ी गिफ्ट, 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में उच्च शिक्षा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इस क्रम में ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र के अंतर्गत 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जो प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त अधिनियम के तहत निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना, उनके विनियमन एवं संचालन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

उन्होंने बताया कि प्रायोजक संस्था सनहिल हेल्थकेयर प्रा. लि., नोएडा द्वारा ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से आवंटित 26.1 एकड़ भूमि पर 'मेट्रो विश्वविद्यालय' स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिसे विधिक प्रावधानों के अनुरूप परीक्षण के उपरांत स्वीकृति दी गई है। इसके लिए उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 की अनुसूची में संशोधन करते हुए 'उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, 2026' प्रख्यापित किए जाने तथा प्रायोजक संस्था को संचालन प्राधिकार-पत्र निर्गत करने का निर्णय लिया गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे तथा युवाओं को आधुनिक एवं रोजगारपरक शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकेगी। यह पहल राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि योगी सरकार उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्ता संवर्धन और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना से प्रदेश में शिक्षा के साथ-साथ रोजगार और कौशल विकास के अवसर भी बढ़ेंगे। इसके अलावा योगी कैबिनेट ने शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी।

पश्चिम बंगाल में भाजपा आ रही है, ममता की तानाशाह सरकार जा रही है: नायब सैनी

कोलकाता। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में एक रोड शो किया।

उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी पर बहुत भरोसा किया था। इससे पहले 35 साल तक कम्युनिस्टों ने बंगाल पर राज किया और राज्य को पीछे धकेल दिया। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और मजदूरों का पलायन चरम पर था। बड़े भरोसे के साथ, बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी को चुना, लेकिन वह तो कम्युनिस्टों से भी आगे निकल गईं। आज युवाओं को पीटा जा रहा है, बेरोजगारी बहुत ज्यादा है और मजदूरों को मजबूरन पलायन करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में एक विकसित भारत के विजन में बंगाल को उसका स्वर्णिम दर्जा वापस दिलाना भी शामिल है। बंगाल की जनता सही फैसला लेगी। यही मेरी उम्मीद और आशा है। ठीक वैसे ही, जैसे उन्होंने एक बार 35 साल के कम्युनिस्ट शासन को उखाड़ फेंका था। वे एक बार फिर बंगाल की गरिमा और समृद्धि को वापस हासिल करेंगे।

सीएम सैनी ने कहा कि यह 15 साल का कुशासन है। बंगाल की जनता इसे कुचल देगी। वे अब इसे और बर्दाश्त नहीं करेंगे। ममता दीदी ने युवाओं, महिलाओं और गरीबों के खिलाफ जो अत्याचार किए हैं। उनसे हाशिए पर पड़े लोग और भी गरीब हो गए हैं। उन्होंने जो भी भ्रष्टाचार किया है, जो भी गुप्त सौदे किए हैं। वे सब सामने आ जाएंगे। इस चुनाव के बाद ममता दीदी और उनके आस-पास के वे लोग जिन्होंने इस भ्रष्टाचार में मदद की है। उन्हें अपने कृत्यों का जवाब देना होगा।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हम बंगाल में सरकार बनाने जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

रांची : रिम्स की सरकारी जमीन बेचने वाले भू-माफिया गिरोह का भंडाफोड़, एसीबी ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

रांची। झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की अधिग्रहित भूमि को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध रूप से बेचने वाले गिरोह के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। एसीबी की टीम ने मंगलवार को इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन पर रैयतों की फर्जी वंशावली बनाकर जमीन की खरीद-बिक्री में धोखाधड़ी करने के गंभीर आरोप हैं। एसीबी की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रांची थाना कांड संख्या 1/2026 के तहत की गई है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में रांची के सदर थाना क्षेत्र निवासी राजकिशोर बड़ाईक, कार्तिक बड़ाईक, राजेश कुमार झा और खूंटी जिले के तोरपा निवासी चैतन कुमार शामिल हैं। इन अभियुक्तों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधित 2018) के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही थी।

एसीबी की जांच में यह खुलासा हुआ है कि इन आरोपियों ने आपसी मिलीभगत से रिम्स की अधिग्रहित भूमि को निजी संपत्ति दिखाने के लिए फर्जी वंशावली तैयार की थी। इस फर्जी दस्तावेज के सहारे आरोपियों ने व्यक्तिगत आर्थिक लाभ के लिए सरकारी जमीन की अवैध खरीद-बिक्री की।

ब्यूरो की ओर से जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, आरोपियों के विरुद्ध पुख्ता साक्ष्य मिलने के बाद यह गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई है।

इस कार्रवाई से राजधानी के भू-माफिया सिंडिकेट में हड़कंप मच गया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने के साथ-साथ इस मामले में शामिल अन्य संदिग्धों की भी तलाश कर रही है।

उल्लेखनीय है कि झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर पिछले महीने रिम्स की अधिग्रहित जमीन पर अतिक्रमण और अवैध कब्जा हटाने के लिए प्रशासन ने बड़ा अभियान चलाया था। इसी दौरान जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री के मामलों का खुलासा हुआ था।

फार्मर आईडी से बदलेगा खाद, लोन और मदद का सिस्टम: शिवराज सिंह चौहान

जयपुर/नई दिल्ली। जयपुर में मंगलवार को पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन से कृषि सुधारों के नए युग की मजबूत शुरुआत हुई, जहां केंद्र-राज्य साझेदारी, किसानों की आय वृद्धि, फूड व न्यूट्रीशन सिक्योरिटी, फार्मर आईडी आधारित डिजिटल कृषि और लचीली योजनाओं के क्रियान्वयन पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रोडमैप रखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' के विजन को धरातल पर उतारने के लिए क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस की यह नई श्रंखला केंद्र और राज्यों के लिए साझा 'एक्शन-प्लेटफॉर्म' के रूप में सामने आई हैं।

जयपुर के होटल मैरियट में आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एक दिन की औपचारिक रबी-खरीफ मीटिंग की जगह अब अलग-अलग एग्रो-क्लाइमेटिक जोन के लिए गंभीर, विषय-आधारित क्षेत्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही हैं। सम्मेलन की इस नई श्रृंखला की शुरुआत राजस्थान की धरती से होना उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण बताया, जहां राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गोवा के कृषि मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक और प्रगतिशील किसान एक मंच पर जुटे, वहीं उद्घाटन सत्र में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री चौहान ने स्पष्ट किया कि यह केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि पूरे पश्चिमी क्षेत्र की कृषि पर संपूर्णता से मंथन का प्रयास है, जिसमें पूरे दिन प्रजेंटेशन, वीडियो और विषयवार चर्चा के बाद ठोस निष्कर्ष और 'टू-डू लिस्ट' के साथ राज्यों को आगे बढ़ने का रोडमैप तय किया जाएगा।

शिवराज सिंह चौहान ने भारतीय कृषि के लिए तीन मुख्य लक्ष्य रेखांकित किए- देश की खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय वृद्धि और पोषण सुरक्षा। उन्होंने कहा कि गेहूं और चावल में भारत के भंडार इतने हैं कि रखने की जगह तक की चुनौती है, लेकिन दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भरता अभी हासिल करनी है ताकि खाद्य सुरक्षा पूरी तरह देश की अपनी उत्पादन क्षमता पर आधारित हो सके और आयात पर निर्भरता खत्म हो।

उन्होंने दोहराया कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ और किसान उसकी आत्मा हैं, इसलिए किसानों की आय बढ़ाना।

प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिकता का मेल, बागेश्वर का धौलीनाग देवता मंदिर

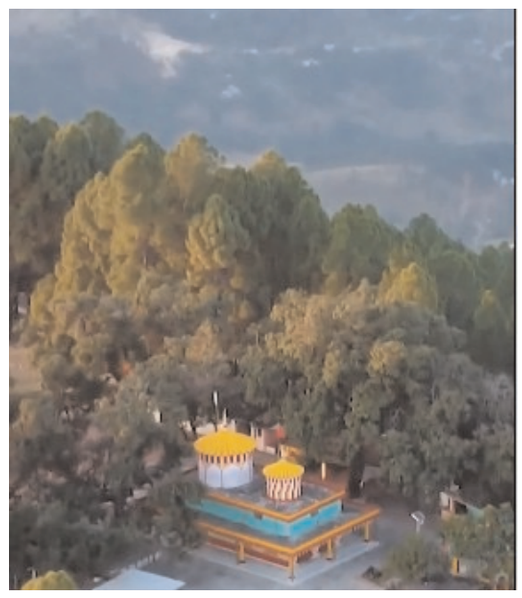

उत्तराखंड। उत्तराखंड के वादियों में कई प्राचीन मंदिर और धार्मिक स्थल हैं। इन्हीं में से एक है धौलीनाग देवता मंदिर, जो विजयपुर क्षेत्र की हरी-भरी पहाड़ियों पर स्थित है। यह मंदिर श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

कांडा ब्लॉक में स्थित यह मंदिर कालिया नाग के पुत्र धौलीनाग को समर्पित है। मंदिर की भव्यता को देखने के लिए दूर-दूर से लोग यहां पर आते रहते हैं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंदिर की भव्यता पर कुछ विचार साझा किए हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिर का विशेष वीडियो पोस्ट किया।

इसके साथ उन्होंने लिखा, 'बागेश्वर जनपद के विजयपुर क्षेत्र में स्थित धौलीनाग देवता मंदिर श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है। ऋषि पंचमी, नाग पंचमी और नवरात्रि की पंचमी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। बागेश्वर आगमन पर आप भी इस पावन मंदिर के दर्शन अवश्य करें।`

यह मंदिर बागेश्वर से कांडा जाने वाले मार्ग पर विजयपुर क्षेत्र में स्थित है, जो हिमालय के सुंदर दृश्यों से घिरा हुआ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, द्वापर युग में श्रीकृष्ण द्वारा कालिया नाग के मर्दन के बाद धवलनाग (धौलीनाग) ने यहां बांज के पेड़ पर निवास किया था। हर साल अश्विन शुक्ल पंचमी (नवरात्रि) और नाग पंचमी के अवसर पर यहां विशेष पूजा और मेला आयोजित होता है। धपोलासेरा से भूल और धपोला के लोग कई किलोमीटर की पैदल यात्रा कर 22 हाथ लंबी मशाल (मशाल यात्रा) मंदिर तक लाते हैं। यह 500 वर्षों से अधिक पुरानी परंपरा है।

स्थानीय लोग इसे बांज के पेड़ पर बना एक प्राचीन स्थल मानते हैं, जहां आज एक सुंदर और भव्य मंदिर बना हुआ है। यह जगह अपने शांत माहौल, प्राकृतिक सुंदरता और त्रिशूल व नंदा देवी जैसी बर्फ से ढकी पहाड़ियों के खूबसूरत नज़ारों के लिए जानी जाती है।

प्रकृति से प्यार करने वालों के लिए यह एक बेहतरीन जगह है। यहां घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से जून और सितंबर से दिसंबर तक होता है, जब मौसम बहुत सुहावना रहता है।

बिहार में अवैध गैस रिफिलिंग के बड़े गिरोह का भंडाफोड़, एलपीजी गैस से भरा कंटेनर और 54 गैस सिलेंडर बरामद

मुजफ्फरपुर। बिहार में एक ओर जहां रसोई गैस के लिए लोग परेशान दिख रहे हैं, वहीं सोमवार की देर रात मुजफ्फरपुर जिले में एलपीजी गैस की अवैध रिफलिंग करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया गया। इस क्रम में गैस से भरा एक कंटेनर भी बरामद किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा को गुप्त सूचना मिली थी कि पुलिस ने मोतीपुर थाना क्षेत्र के नरियार के पास एक बड़े अवैध रिफिलिंग का धंधा चल रहा है। इसी सूचना पर पुलिस ने डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। इस टीम में डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी के साथ कांटी और मोतीपुर के थानाध्यक्षों सहित मोतीपुर के सर्किल इंस्पेक्टर को शामिल किया गया।

पुलिस टीम ने नरियार के पास सड़क से कुछ दूरी पर स्थित संदिग्ध ठिकाने पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक बड़े नेटवर्क को पकड़ा, जो सीधे गैस टैंकर से छोटे सिलेंडरों में रिफिलिंग कर रहा था। डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने मंगलवार को बताया कि घटनास्थल से एलपीजी से भरा एक कंटेनर, एक बोलेरो, एक ऑटो (टोटो) और 54 गैस सिलेंडर बरामद किया गया है।

बताया गया कि स्थानीय स्तर पर डिलीवरी के लिए एक ऑटो जब्त किया गया, जिस पर कई सिलेंडर लदे थे। गैस टैंकर से सिलेंडरों में गैस भरने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले विशेष पाइप और अन्य उपकरण भी जब्त किए गए हैं। इस दौरान पुलिस को देखकर मौजूद अवैध कारोबारी और मजदूर भागने में सफल रहे। पुलिस वाहनों के रजिस्टर्ड नंबर से उनके मालिकों का पता करने में जुटी है।

डीएसपी पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने दावा किया कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। उन्होंने आशंका जताई कि इस गिरोह के तार नेपाल से जुड़े हो सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अपने क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गैस कटिंग की सूचना तत्काल पुलिस नियंत्रण कक्ष से साझा करें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

भारतीय रेलवे में एआई और डिजिटल तकनीक का विस्तार

नई दिल्ली। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे सुरक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की अहम भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि 'कैमरे सिस्टम की आंखें होंगे और एआई उसका दिमाग।' उन्होंने बताया कि यह तकनीकी बदलाव रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने में क्रांतिकारी साबित हो रहा है। यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में भी बड़ा सुधार किया गया है। इंटीग्रेटेड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम (आईपीआईएस) का विस्तार किया गया है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन इंडिकेटर बोर्ड, कोच गाइडेंस सिस्टम और पब्लिक एड्रेस सिस्टम शामिल हैं। आईपीआईएस को नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) से जोड़ा गया है, जिससे स्टेशनों पर ट्रेनों से जुड़ी जानकारी और घोषणाएं रियल-टाइम में स्वत: उपलब्ध हो रही हैं। अब तक यह सुविधा 1,405 रेलवे स्टेशनों पर लागू की जा चुकी है।

संचार व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विभिन्न रेलवे जोनों में टनल कम्युनिकेशन सिस्टम भी लागू किया गया है। खासतौर पर उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना में यह प्रणाली महत्वपूर्ण साबित हो रही है। इससे सुरंगों के भीतर काम कर रहे कर्मचारियों और कंट्रोल सेंटर के बीच निर्बाध संचार संभव हो सका है, जिससे कठिन इलाकों में सुरक्षा और समन्वय बेहतर हुआ है। रेलवे के टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर को भी आधुनिक बनाया गया है। इंटरनेट प्रोटोकॉल मल्टी-प्रोटोकॉल लेबल स्विचिंग (आईपीएमपीएलएस) तकनीक के जरिए एक उच्च क्षमता वाला नेटवर्क तैयार किया जा रहा है, जो वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को पूरा करेगा। इससे वीडियो निगरानी, मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्युनिकेशन (एमटीआरसी), पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस), अनरिजर्व्ड टिकटिंग सिस्टम (यूटीएस), फ्रेट ऑपरेशंस इंफॉर्मेशन सिस्टम (एफओआईएस), स्काडा और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी सेवाओं को बेहतर समर्थन मिलेगा। अब तक आईपी एमपीएलएस तकनीक 1,396 रेलवे स्टेशनों पर सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है, जो डिजिटल रूप से एकीकृत रेलवे नेटवर्क की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सवाई माधोपुर: पूर्व मुख्य कार्यालय अधीक्षक को रिश्वत मामले में 5 साल की सजा और 25,000 रुपये जुर्माना

जयपुर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अदालत ने पश्चिम मध्य रेलवे, सवाई माधोपुर (राजस्थान) के पूर्व मुख्य कार्यालय अधीक्षक जालंधर योगी को रिश्वत मामले में दोषी ठहराते हुए पांच साल की कठोर कारावास की सजा और 25,000 रुपये का जुर्माना सुनाया।

जांच के अनुसार, मामला 16 जून 2020 को दर्ज किया गया था। आरोप था कि जालंधर योगी ने किए गए काम के लंबित अंतिम बिल को पास कराने के एवज में 11,500 रुपये की रिश्वत मांग की थी। इस दौरान सीबीआई ने एक जाल बिछाया और आरोपी को शिकायतकर्ता से 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। रिश्वत की राशि आरोपी के कब्जे से बरामद कर ली गई। जांच पूरी होने के बाद, सीबीआई ने 8 जनवरी 2021 को आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। अदालत ने सुनवाई के दौरान सभी सबूतों और गवाहों की गवाही को ध्यान में रखते हुए जालंधर योगी को दोषी ठहराया। न्यायालय ने कहा कि आरोपी ने अपने पद का दुरुपयोग किया और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, जो सार्वजनिक विश्वास को नुकसान पहुंचाने वाला अपराध है। सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी को पांच साल की सजा सुनाई और 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर जुर्माने की राशि अदा नहीं की जाती है तो आरोपी को अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। इस फैसले के बाद सीबीआई ने कहा कि यह कदम सतर्कता और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश है। अधिकारी ने बताया कि भ्रष्टाचार की किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

फास्ट ब्रीडर रिएक्टर विश्वसनीय और उच्च तापीय दक्षता प्रदान करेंगे : केंद्र

नई दिल्ली । भारत के पहले 500 मेगावाट के प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) के सफलतापूर्वक क्रिटिकैलिटी (सुरक्षित और सामान्य रूप से काम करना) हासिल करने पर, केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि पहला फास्ट ब्रीडर रिएक्टर विश्वसनीय, कम कार्बन वाली उच्च तापीय दक्षता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इसे भारत के न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है और इससे देश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

पीएफबीआर ने सोमवार को ऑटोमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (एईआरबी) द्वारा स्थापित की गई सभी सुरक्षा निर्देशों को पूरा करने के बाद क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली थी।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि

यह उपलब्धि भारत के नागरिक परमाणु कार्यक्रम की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

उन्होंने कहा, 'भारत ने अपने नागरिक परमाणु कार्यक्रम की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है और अपने परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण को आगे बढ़ाया है। स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने कलपक्कम में क्रिटिकैलिटी हासिल कर ली है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि यह एडवांस रिएक्टर, जो खपत से अधिक ईंधन उत्पादन करने में सक्षम है, देश की वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग क्षमता को दर्शाता है और कार्यक्रम का तीसरे चरण विशाल थोरियम भंडार का दोहन करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है। हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई। इस रिएक्टर को इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन किया गया है और इसका निर्माण एवं संचालन भारतीय परमाणु विद्युत निगम लिमिटेड (बीएचएवीआईएनआई) द्वारा किया गया है, जो केंद्र सरकार का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

फास्ट ब्रीडर रिएक्टर भारत के तीन-चरणीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक हैं। पारंपरिक रिएक्टरों के विपरीत, पीएफआरबी यूरेनियम-प्लूटोनियम मिश्रित ऑक्साइड (एमओएक्स) ईंधन का उपयोग करता है और यूरेनियम-238 को प्लूटोनियम-239 में परिवर्तित करके खपत से अधिक विखंडनीय पदार्थ उत्पन्न कर सकता है। इस रिएक्टर को अंतत: थोरियम-232 का उपयोग करके यूरेनियम-233 का उत्पादन करने के लिए भी डिजाइन किया गया है।

कम कैलोरी से लेकर दिल और पाचन तक, जानिए कैसे शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है लौकी

नई दिल्ली। भारतीय रसोई में कई ऐसी सब्जियां हैं, जिन्हें हम अक्सर साधारण समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लौकी ऐसी ही एक सब्जी है, जिसे ज्यादातर लोग पसंद नहीं करते, लेकिन स्वास्थ्य के लिए यह बेहद उपयोगी है। खासतौर पर गर्मियों के मौसम में यह शरीर को ठंडक देने और अंदर से संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाती है। विज्ञान का कहना है कि अगर इसका सही मात्रा में और सही तरीके से सेवन किया जाए, तो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंच सकता है। सबसे पहले बात करें वजन कम करने की, तो लौकी इसमें काफी मददगार मानी जाती है। लौकी में पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और कैलोरी बहुत कम। इसे खाने से पेट जल्दी भर जाता है और फैट जमा भी नहीं होता। इसके अलावा, लौकी में मौजूद फाइबर धीरे-धीरे पचता है, जिससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती। कुछ शोध बताते हैं कि सुबह खाली पेट लौकी का जूस पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है।

पाचन तंत्र के लिए भी लौकी बहुत फायदेमंद मानी जाती है। इसमें मौजूद घुलनशील फाइबर आंतों में जाकर पानी को सोखता है और मल को नरम बनाता है, जिससे कब्ज की समस्या कम होती है। साथ ही, लौकी ठंडी होती है, जो पेट की जलन और एसिडिटी को कम करने में मदद करती है। यह पेट में बनने वाले अतिरिक्त एसिड को दूर करता है, जिससे गैस और अपच जैसी दिक्कतें धीरे-धीरे कम हो सकती हैं। नियमित रूप से लौकी खाने से आंतों की गति बेहतर होती है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है।

दिल की सेहत के लिए भी लौकी को अच्छा माना जाता है। इसमें पोटैशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में मदद करते हैं। जब ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, तो दिल पर दबाव कम पड़ता है।

आर्टेमिस II में एस्ट्रोनॉट्स साथ में 'खिलौना' क्यों ले गए हैं?

नई दिल्ली। नासा का आर्टेमिस II मिशन से जुड़े चार अंतरिक्ष यात्री ओरियन अंतरिक्ष यान में सवार होकर चंद्रमा की ओर रवाना हो चुके हैं यह दल चंद्रमा के पास से गुजरेगा और बिना उतरे वापस लौट आएगा। 1972 के बाद इस पहले मानवयुक्त चंद्र मिशन में छोटा सा मुलायम खिलौना अंतरिक्ष यात्रियों की मदद के लिए उनके साथ यान में गया है। इसका नाम है 'राइज', जो पूरे विश्व के लाखों लोगों की भावनाओं और सपनों को चंद्रमा पर साथ ले जाने वाले मिशन का मैसकॉट (शुभंकर) भी है। आर्टेमिस II 2 अप्रैल को लांच हुआ था। दरअसल 'राइज' एक जीरो-ग्रेविटी इंडिकेटर (शून्य गुरुत्वाकर्षण संकेतक) है। अंतरिक्षयात्री मिशन पर जीरो-ग्रेविटी इंडिकेटर को यह जानने के लिए अपने साथ ले जाते हैं कि कैप्सूल कब अंतरिक्ष में पहुंच गया है। जब स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति से बाहर निकल जाता है, तो ये इंडिकेटर हवा में तैरने लगता है तो पता चल जाता है कि अब अंतरिक्ष यान निर्वात में है। इन वस्तुओं का अक्सर गहरा

प्रतीकात्मक अर्थ होता है और इनका चयन सावधानीपूर्वक विचार-विमर्श के बाद किया जाता है। 28 मार्च को आर्टेमिस II के अंतरिक्ष यात्रियों ने राइज का परिचय दुनिया से कराया था और इसका महत्व बताया। इसका चयन 50 से अधिक देशों से प्राप्त हजारों प्रविष्टियों में से किया गया था। हालांकि नासा को कैलिफोर्निया के माउंटेन व्यू शहर के तीसरी कक्षा के छात्र लुकास (8) की डिजाइन पसंद आई। यह डिजाइन अपोलो 8 मिशन के प्रसिद्ध 'अर्थराइज' पल के लिए सम्मान है, जिसमें पहली बार अंतरिक्ष से पृथ्वी का उदय (अर्थराइज) देखा गया था।

लुकास का यह डिजाइन नासा के 'मून मैसकॉट डिजाइन चैलेंज' में चुना गया था। इस चैलेंज में 50 से ज्यादा देशों से 2,600 से अधिक एंट्रीज आई थीं, जिनमें स्कूली बच्चों की डिजाइन भी शामिल थे। राइज को नासा के गॉडर्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर (मैरीलैंड) की थर्मल ब्लैंकेट लैब में विशेष रूप से बनाया गया है। यह बहुत हल्का और सॉफ्ट है, ताकि अंतरिक्ष में आसानी से तैर सके।

इस आर्टेमिस 2 मिशन में चांद का चक्कर लगाने के लिए साथ जाने वाले राइज की एक और खास बात यह है कि इसके अंदर एक एसडी कार्ड रखा गया है, जिसमें दुनिया भर के लोगों के 56,47,889 नाम दर्ज हैं। ये नाम 'सेंड योर नेम विद आर्टेमिस' अभियान के तहत इकट्ठा किए गए थे। इस तरह राइज न सिर्फ एक खिलौना है, बल्कि पूरी मानवता की उम्मीद और एकजुटता का प्रतीक भी बन गया है।

आर्टेमिस II मिशन के चारों अंतरिक्ष यात्री रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हान्सन राइज को अपने साथ चांद की यात्रा पर ले गए हैं। जहां क्रिस्टीना कोच चंद्रमा मिशन का हिस्सा बनने वाली पहली महिला होंगी, वहीं ग्लोवर चंद्र मिशन पर उड़ान भरने वाली पहली अश्वेत व्यक्ति हैं।

सोशल मीडिया का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक, रोजाना डिजिटल समय को ऐसे करें कंट्रोल

नई दिल्ली। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, लेकिन इसका अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार ज्यादा समय तक सोशल मीडिया पर रहने से मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इस पर कंट्रोल करना बेहद जरूरी है।

नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, लंबे समय तक स्क्रीन पर बिताया गया समय हमारी सोच को सीमित कर देता है और वास्तविक दुनिया से दूर ले जाता है। इससे एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन, अकेलापन और पारिवारिक संबंधों में तनाव जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। कई लोग सोशल मीडिया की लत का शिकार हो रहे हैं, जिससे उनकी दिनचर्या और मानसिक शांति दोनों प्रभावित हो रही है।

यही नहीं सोशल मीडिया की लगातार नोटिफिकेशन, लाइक्स और कमेंट्स की चाहत व्यक्ति को

लगातार ऑनलाइन रहने के लिए मजबूर करती है। इससे नींद की कमी, तनाव और उदासी जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। यंग जनरेशन में यह समस्या और भी ज्यादा देखी जा रही है। ऐसे में डिजिटल समय को नियंत्रित करना बेहद जरूरी है। हेल्थ एक्सपर्ट कुछ उपाय सुझाते हैं, जो कारगर है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डिजिटल जीवन जीना बहुत जरूरी है। सोशल मीडिया का उपयोग सूचनाओं और जुड़ाव के लिए करें, लेकिन इसे जीवन का केंद्र न बनने दें। अगर आप महसूस करते हैं कि सोशल मीडिया आपकी दिनचर्या और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है, तो तुरंत अपने उपयोग पर नियंत्रण करें और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की मदद लें। समय सीमा तय करें: रोजाना सोशल मीडिया के लिए सिर्फ 30-45 मिनट का समय तय करें।

डिजिटल डिटॉक्स: हर दिन कम से कम 4 से 5 घंटे स्क्रीन से दूर रहें। सुबह और रात को फोन खुद से दूर रखें।

नोटिफिकेशन ऑफ करें: अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद कर दें, ताकि बार-बार फोन चेक करने की आदत न बने।

ऑफलाइन एक्टिविटीज पर काम करें: किताब पढ़ना, व्यायाम करना, परिवार के साथ समय बिताना और शौक पूरे करना शुरू करें। स्क्रीन टाइम ऐप्स का उपयोग करें: फोन में उपलब्ध स्क्रीन टाइम ट्रैकर ऐप्स से अपने इस्तेमाल पर नजर रखें।

नींद का ध्यान रखें : सोने से कम से कम 1 घंटा पहले सोशल मीडिया बंद कर दें या मोबाइल दूर कर दें।

परिवार के साथ नियम बनाएं: घर में 'नो फोन डिनर' या 'फैमिली टाइम' जैसे नियम लागू करें।ह्व

विश्व स्वास्थ्य दिवस : सेहत के लिए एकजुट होने का दिन, जानें क्या कहती है इस साल की थीम

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 7 अप्रैल को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है- 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट, विज्ञान के साथ खड़े रहें।' इस थीम के माध्यम से विश्व स्वास्थ्य संगठन लोगों, जानवरों, पौधों और पूरे ग्रह के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विज्ञान और सहयोग की अहमियत पर जोर दे रहा है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन वर्ष 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना हुई थी। इस दिन दुनिया भर में स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है और लोगों को एक साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित किया जाता है। साल 2026 का यह अभियान पूरे एक साल तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य है कि वैज्ञानिक खोजों और साक्ष्यों को वास्तविक

कार्रवाई में बदला जाए। वहीं, संगठन थीम के साथ अभियान 'वन हेल्थ' के सिद्धांत पर भी विशेष जोर दे रहा है, जिसमें मानव, पशु और पर्यावरण का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ माना जाता है। इस अभियान की शुरुआत 7 अप्रैल को दो बड़े आयोजनों के साथ होगी। पहला है फ्रांस की जी7 अध्यक्षता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वन हेल्थ शिखर सम्मेलन और दूसरा है वैश्विक मंच जिसमें विश्व स्वास्थ्य संगठन सहयोगी केंद्रों के 80 से अधिक देशों के लगभग 800 वैज्ञानिक संस्थान शामिल हो रहे हैं। ये दोनों कार्यक्रम मिलकर अब तक का सबसे बड़ा वैज्ञानिक नेटवर्क तैयार कर रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि आज की दुनिया में उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों जैसे महामारी, जलवायु परिवर्तन, एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस आदि का सामना केवल विज्ञान के सहारे ही किया जा सकता है। इसलिए इस अभियान में आम लोगों, सरकारों, वैज्ञानिकों और स्वास्थ्यकर्मियों से अपील की गई है कि वे विज्ञान का समर्थन करें, उसमें विश्वास बनाए रखें और स्वस्थ भविष्य के निर्माण में योगदान दें।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए फायदेमंद है तैराकी, जानें इसके पीछे का विज्ञान

नई दिल्ली। भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से बचने के लिए तैराकी और वॉटर एक्सरसाइज सबसे प्रभावी और आनंददायक विकल्प हैं। तैराकी न केवल शरीर को शीतलता प्रदान करती है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। विशेष रूप से बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों (क्रोनिक बीमारियों) से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए यह बेहद फायदेमंद है।

गर्मियों में तैराकी न सिर्फ शरीर को ठंडा रखती है, बल्कि पूरे साल फिट रहने का बेहतरीन तरीका भी है। चाहे आप युवा हों या बुजुर्ग, स्वस्थ हों या कोई पुरानी बीमारी हो, तैराकी लगभग सभी के लिए फायदेमंद है।

तैराकी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि पानी का उत्प्लावन बल शरीर का वजन कम कर देता है। इससे जोड़ों पर दबाव नहीं पड़ता और दर्द या चोट का खतरा काफी कम हो जाता है। जो लोग गठिया, घुटनों के दर्द या हड्डियों की कमजोरी से परेशान रहते हैं, उनके लिए तैराकी बहुत सुरक्षित और प्रभावी व्यायाम है। यह एरोबिक व्यायाम के साथ-साथ मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाला प्रशिक्षण भी देता है।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, तैराकी हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है, रक्त संचार सुधारती है और अधिकतम ऑक्सीजन ग्रहण क्षमता बढ़ाती है। यह डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय संबंधी बीमारियों वाले लोगों के लिए भी बहुत उपयोगी है। नियमित तैराकी से मांसपेशियों की ताकत, सहनशक्ति, संतुलन और लचीलापन बढ़ता है। गर्मियों में तैराकी का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर का तापमान नियंत्रित रखती है और डिहाइड्रेशन से बचाती है।

साथ ही, पानी में व्यायाम करने से मनोवैज्ञानिक लाभ भी मिलते हैं। इससे तनाव, चिंता और अवसाद कम होता है, मूड अच्छा रहता है और नींद की गुणवत्ता बढ़ती है। तैरीका के दौरान एंडोर्फिन, डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे अच्छे हार्मोन रिलीज होते हैं, जो खुशी और सुकून का एहसास कराते हैं। कुछ रिसर्च में यह भी सामने आया कि पानी के आस-पास रहने से कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) कम होता है और ऑक्सीटोसिन बढ़ता है, जिससे व्यक्ति ज्यादा खुश और स्वस्थ महसूस करता है।

अकेलापन और सामाजिक अलगाव आजकल बुजुर्गों में आम समस्या है। ग्रुप एक्टिविटी से यह समस्या कम होती है और मानसिक स्वास्थ्य मजबूत होता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि नदियों, झीलों या स्विमिंग पूल जैसे 'ब्लू स्पेस' में समय बिताने से शारीरिक गतिविधि बढ़ती है, तनाव घटता है और स्वास्थ्य बेहतर होता है।

हृदय को रखें स्वस्थ और रक्तचाप को नियंत्रित, शलभासन के नियमित अभ्यास के फायदे

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में योग का महत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। योग न सिर्फ शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि, मानसिक शांति भी प्रदान करता है। इसी क्रम में 'शलभासन' एक ऐसा प्रभावी योगासन है, जो शरीर को कई तरह के स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं नहीं होती हैं।

शलभासन एक संस्कृत शब्द है। इसमें 'शलभ' का अर्थ टिड्डा और 'आसन' का अर्थ 'मुद्रा' होता है। यानी की यह आसन टिड्डे की तरह उड़ान भरने वाली मुद्रा है। इसके नियमित अभ्यास से पीठ, कमर और पैरों की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। रक्तचाप नियंत्रित और हृदय संबंधी समस्याओं में सुधार होता है। यह हृदय की क्रियाओं को

सुचारू रूप से चलाने में भी मदद करता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, शलभासन एक महत्वपूर्ण हठयोग आसन है, जो मुख्य रूप से पीठ के निचले हिस्से, रीढ़ की हड्डी, जांघों और नितंबों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। यह कमर दर्द में राहत, पाचन में सुधार, फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने और पेट की चर्बी कम करने में अत्यंत प्रभावी है, जो शरीर को स्थिरता और मन को शांति प्रदान करता है। शुरुआती अभ्यासकर्ताओं के लिए यह योगासन थोड़ा सा चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि इसमें पीठ, कंधों और पैरों की ताकत और संतुलन तीनों की जरूरत होती है, लेकिन जब आप इसे धीरे-धीरे सीखते हैं और रोज सिर्फ 5 मिनट देते हैं, तो शरीर खुद आपका साथ देने लगता है।

इसे करने के लिए सबसे पहले पेट के बल लेटकर सामान्य शलभासन की स्थिति में आए, फिर पैरों को ऊपर उठाएं और शरीर का संतुलन कंधों, ठोड़ी और भुजाओं पर बनाए रखें।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415